राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार, 11 जनवरी-2022 वर्ष-4,अंक-349 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सचिन जीआईडीसी गैस कांड में पुलिस भी सामेल होने का शक

वडोदरा की संगम एनविरो कंपनी के 2और साथी जहरीले केमिकल मामले में गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सचिन जीआईडीसी में रोड नंबर 3 पर नाले में जहरीले रसायनों के निकाल में रासायनिक माफियाओं द्वारा छह श्रमिकों की हत्या हो गई । इस मामले में क्राइम ब्रांच ने वडोदरा के संगम एनविरो प्राइवेट लिमिटेड के दो और भागीदारों को गिरफ्तार किया है. इससे पहले उसके साथी आशीष गुप्ता समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया था। चारों फिलहाल पुलिस रिमांड पर हैं।

संगम एनविरो प्राइवेट लिमिटेड के तीन पार्टनर आशीष गुप्ता, मैत्री वैरागी और नीलेश बेहरा। अन्य दो दोस्तों, संमुख वेरागी (राहे, मुक्तनंद सोसा, जीएनएफ कॉलोनी के पास, भरूच) और नीलेश पीतांबर बेहरा (राहे, संगम एनविरो का कार्यालय, वडोदरा, मूल रूप से उड़ीसा से) से पूछताछ की गई और रविवार को उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। जिसमें। पुलिस ने कहा कि तीन भागीदारों में से, जो मुंबई कंपनी के टेलीफोन संपर्क में थे,जिन्होंने ऑर्डर दिया था। इन सभी पहलुओं की जांच की जा रही है कि परिवहन का भुगतान किसने किया।

मुंबई स्थित हिकेल केमिकल कंपनी के निदेशकों के खिलाफ भी एक-दो दिन में कार्रवाई संभव है। यह भी अफवाह है कि पुलिस ने कंपनी के निदेशकों के खिलाफ कुछ दस्तावेज हासिल किए हैं। पुलिस को संदेह है कि कंपनी के निदेशकों में कुछ कमियां हैं। जिससे संभावना जताई जा रही है कि अगले एक-दो दिनों में निर्देशकों के खिलाफ लाइन लगा दी जाएगी। हिकेल

केमिकल कंपनी ने संगम एनविरो प्राइवेट लिमिटेड के साथ रूपये में सौदा किया था। जीपीसीबी, एफएसएल और पुलिस उन दो उद्योगपतियों के मामले की जांच कर रही है, जिन्होंने उस नाले में केमिकल युक्त पानी डाला था जहां जहरीला रसायन डाला गया था । इस बीच, एक जांच के बाद अपराध शाखा की एक टीम ने सचिन जीआईडीसी यार्न उद्योगपतियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें पता चला है कि उसी खाड़ी में पास की यार्न फैक्ट्री से केमिकल युक्त पानी छोड़ा गया था।

एक हैं विजय डोबरिया और दूसरे हैं सौरभ गबानी. गिरफ्तारी की प्रक्रिया फिलहाल रूकी हुई है क्योंकि दोनों कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। जहां घटना हुई वहां से डेढ़ किलोमीटर के इलाके में दोनों उद्योगपतियों की रंगीन सूत बनाने की फैक्ट्री है.

सचिन थाने के विक्रम गोविंद घागर पर शक है कि उसने पुलिसकर्मी विक्रम के मोबाइल फोन से जहरीले रसायनों के माफियाओं से145 कॉल किए थे . आने वाले दिनों में विक्रम पर भी आरोप लगने की संभावना है। क्योंकि, विक्रम घघर पर आरोप लग रहे हैं कि उन्होंने आरोपी प्रेम गुप्ता से बात की है। आरोप है कि विक्रम के मोबाइल से आरोपी व अन्य को 145 कॉल किए गए। इतना ही नहीं, पुलिस बल में अफवाहें हैं कि विक्रम लगातार पुलिस अधिकारी और जीपीसीबी के संपर्क में है। जिससे यह साबुत होता हैं की यह सारे घटनाक्रम में पुलिस की मौखिक मंजूरी मिली होने से इस प्रकार की घटना बनी हुई हैं

गुजरात में पड़ेगी कड़ाके की ठंड, अहमदाबाद और गांधीनगर में यलो अलर्ट जारी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

उत्तर भारत के पहाडी इलाकों में हो रही बर्फबारी का असर गुजरात पर हो रहा है। आगामी दो दिन गुजरात में कड़ाके की ठंड पड़ने का मौसम विभाग का अनुमान है। राज्य की राजधानी गांधीनगर के अलावा अहमदाबाद में ठंड को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। अहमदाबाद समेत गांधीनगर में ठंड बढ़ने के साथ ही उत्तरी गुजरात के बनासकांठा के लोगों को भी कड़ाके की ठंड का सामना करने के तैयार रहना होगा। बीती रात अहमदाबाद समेत राज्य के कई इलाकों में ठंड का पारा 10 डिग्री से भी कम दर्ज हुआ है। सबसे अधिक ठंड कच्छ जिले के नलिया महसूस की गई, जहां न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री दर्ज हुआ। गांधीनगर में बीती रात न्यूनतम तापमान 7 डिग्री और अहमदाबाद में 10 डिग्री से भी कम रहा। मौसम विभाग ने आगामी दो दिन कच्छ और उत्तर गुजरात में यलो अलर्ट जारी किया है। अहमदाबाद, गांधीनगर, कच्छ और बनासकांठा में ठंड हवा चलेगी। कुछ दिन पहले बेमौसमी बारिश हुई थी और अब 16 से 18 जनवरी के दौरान फिर एक बार मावठ की संभावना व्यक्त की गई है। जिसकी वजह से अहमदाबाद समेत गांधीनगर, बनासकांठा और पाटन में ठंड और बढ़ेगी।

किसी नेता की गलती का उदाहरण पेश कर कोई भी नागरिक अपना जीवन खतरे में न डाले:गृह राज्यमंत्री

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात में कोरोना संक्रमण बढ़ने से राज्य सरकार ने रात्रि कर्फ्यू का समय बढ़ाने के साथ ही कई पाबंदियां लगा दी हैं। लेकिन कोविड नियमों का आम नागरिक ही नेता भी धज्जियां उड़ा रहे हैं। ऐसे में गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी का बड़ा बयान सामने आया है। उनका कहना है कि किसी नेता की गलती का उदाहरण पेश कर किसी नागरिक को अपनी जीवन खतरे में नहीं डालना चाहिए। भाजपा नेताओं द्वारा कोविड नियमों के उल्लंघन को लेकर हर्ष संघवी ने कहा कि सभी को इसका पालन करना चाहिए। चाहे वह नेता हो या आम नागरिक। पुलिस को भी आदेश दिया गया है कि मानवीय अभिगम के साथ कोविड नियमों का पालन कराया जाए। यदि कोई नेता गलती करता है तो उसका उदाहरण देकर किसी भी नागरिक को अपना जीवन खतरे में नहीं डालना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनवरी महीने में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ते देखते वाइब्रेंट गुजरात समिट भी स्थगित कर दी गई है। अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव और अहमदाबाद में होनेवाले फ्लावर समेत सभी कार्यक्रमों को रद्द कर दिया गया है। प्रत्येक प्रभारी मंत्री को उनके प्रभार वाले जिले में रहकर स्थिति की समीक्षा करने का आदेश दिया गया है। आज गांधीनगर जिले में कोरोना की स्थिति की समीक्षा की है। आज हुई बैठक में धन्वंतरी रथ, माइक्रो कंटेंटमेंट जोन और स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में समीक्षा की गई है। गांधीनगर जिले की सबसे बड़ी तहसील कलोल के होस्पिटल में पर्याप्त स्टाफ के साथ साधन-सामग्री उपलब्ध है। ऑक्सीजन प्लांट सभी तहसीलों में हैं। गांधीनगर जिले में पॉटिविटी रेट काफी कम है।

ऊर्जा विभाग भर्ती प्रक्रिया में चल रहा है परिवारवाद और परिचितवाद:युवराजसिंह

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

विद्यार्थी नेता युवराजसिंह जाडेजा ने राज्य के ऊर्जा विभाग भर्ती कांड को लेकर आज खुलासा करते हुए दिलीप पटेल और अरविंद पटेल को पूरे मामले का मुख्य सूत्रधार बताया है। साथ ही आरोप लगाया कि ऊर्जा विभाग की भर्ती प्रक्रिया में परिवारवाद और परिचितवाद चल रहा है और वह भी गलत तरीके से अपनों को नौकरी दिलाई जा रही है। गांधीनगर में पत्रकार परिषद में युवराजसिंह जाडेजा ने बताया कि दिलीप पटेल और अरविंद पटेल ने अपने परिवार के 45 लोगों को गलत तरीके से सेटिंग कर सरकारी नौकरी दिलवाई है। गलत तरीके से भर्ती पाने वाले सभी लोग फिलहाल सेवारत हैं। युवराजसिंह ने गलत तरीके से की गई भर्ती के सबूत उनके पास होने का दावा करते हुए मुख्यमंत्री और गृह मंत्री से आरोपियों की संपत्ति जब्त करने और एसआईटी से पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सरकारी विभाग में भर्ती में परिवार और परिचितवाद चल रहा है और आनेवाले दिनों में इस धांधली में अन्य लोगों के नाम का खुलासा करूंगा। ऊर्जा विभाग में भर्ती मामले में गलतेश्वर के दिलीप डाह्या पटेल, इटाला प्राथमिक स्कूल के शिक्षक जिनके तीन लोग शामिल हैं। दिलीप पटेल के भाई विजय पटेल हैं। बायड में रहनेवाले धर्मेन्द्र पटेल की बिचौलिए की भूमिका है। इसके अलावा विजय पटेल और श्वेत पटेल भी बिचौलिए हैं। विद्यार्थी नेता ने बताया कि धर्मेन्द्र पटेल की पत्नी कृपल पटेल यूजीवीसीएल में बायड में बतौर जूनियर आसिन्ट है। दिलीप पटेल का पुत्र उत्पल पटेल जेटको में और बहु शिखा पटेल थर्मल जेटको में नौकरी

कर रही है। उत्पन पटेल का साला भी वहीं सेवारत है। जाडेजा ने आरोप लगाया कि रिश्ते-नातेदार मिलाकर कुल 45 लोगों को गलत तरीके से ऊर्जा विभाग में भर्ती कराया गया है। इन 45 लोगों को सरकारी नौकरी दिलाने में दिलीप डाह्या पटेल की मुख्य भूमिका है। इतना ही नहीं दिलीप डाह्या पटेल का दामाद भी लींबडी में बतौर जूनियर आसिस्टन्ट कार्यरत है। उन्होंने इन 45 लोगों की नौकरी के लिए ऑनलाइन परीक्षा ली गई थी, जिसमें बड़ी गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए सभी कंप्यूटर जब्त करने की मांग की है। युवराजसिंह ने कहा कि बायड के अरविंद पटेल का पुत्र जतीन पटेल आणंद जीईबी में और दूसरा पुत्र श्रेय पटेल फिलहाल कालूपुर और उसकी पत्नी दाहोद में नौकरी कर रही है। जबकि अरविंद पटेल का भाई बिचौलिया है। युवराजसिंह जाडेजा का दावा है कि उनके पास सरकारी भर्ती में धांधली करनेवाले सभी लोगों के नाम, सबूत हैं। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी से अनुरोध है कि पूरे मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया, ताकि निष्पक्ष जांच हो सके। साथ ही दिलीप पटेल और अरविंद पटेल से उनकी संपत्ति के बारे में भी पूछताछ की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरियों में चल रही सेटिंग के खिलाफ हम संघर्ष कर रहे हैं, क्योंकि कुछ लोगों को ही इसका लाभ मिलता है और उनसे वसूले गए रूपए ऊपर तक जाते हैं। दिलीप पटेल की ऊर्जा विभाग के अधिकारी सीधी पहचान है। एमजीवीसीएल और यूजीवीसीएल के वरिष्ठ अधिकारियों से वह सीधे मुलाकात करते हैं और इसकी पक्की जानकारी मिलने के उनके नाम का भी आगामी दिनों में खुलासा करूंगा।

20 जनवरी तक चलेगा राज्यव्यापी करुणा अभियान

पतंग की डोर से पक्षियों को घायल होने से बचाने और घायल पक्षियों के उपचार का अनोखा अभियान

आगामी उत्तरायण पर्व के दौरान पतंग की डोर से कोई बेजुबान पक्षी या पशु घायल न हो जाए उस संदर्भ में पर्याप्त एहतियात बरतते हुए 10 से 20 जनवरी, २०२२ के दौरान मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की प्रेरणा और मार्गदर्शन में राज्यव्यापी करणा अभियान आयोजित होगा। अभियान के दिनों के दौरान पूरे राज्य में प्रतिदिन सुबह 7 से शाम 6 बजे तक सभी तहसीलों में वन विभाग की ओर से कंट्रोल रूम कार्यरत किया जाएगा।'जिओ, जीने दो और नवजीवन दो' की जीवदया की भावना के साथ मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में वन विभाग ने इस वर्ष उत्तरायण पर्व के दौरान घायल होने वाले पक्षियों की त्वरित उपचार व्यवस्था के लिए वॉट्सऐप नंबर जारी करने के साथ वेबसाइट भी कार्यरत की है। जिसके अनुसार वॉट्सएप नं. 8320002000 पर 'करुणा' मैसेज टाइप कर भेजने से या वेबसाइट https://bit.ly.karunaabhiyan पर क्लिक करने से जिलावार पक्षी उपचार केंद्रों की जानकारी मिल सकेगी। इतना ही नहीं, पशुपालन विभाग के टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1962 पर घायल पक्षियों के उपचार के लिए मदद ली जा सकेगी। आगामी उत्तरायण पर्व के दौरान यदि कोई पक्षी घायल होता है तो उसके उपचार के लिए राज्यभर में इस वर्ष 700 से अधिक पक्षी निदान और उपचार केंद्र, 620 से अधिक चिकित्सक तथा 6000 से अधिक सेवाभावी स्वयंसेवक सेवारत रहेंगे। उत्तरायण जैसे त्योहारों और लोकोत्सवों को मनाने के दौरान अबोल जीवों की चिंता कर उनका उपचार और ख्याल रखने की गुजरात की अनूठी पहल करुणा अभियान आज एक मिसाल बन गई है। करुणा अभियान के अंतर्गत पिछले पांच वर्षों में लगभग 50 हजार से अधिक पक्षियों का उपचार किया गया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस वर्ष उत्तरायण के त्योहार में लोगों से अपील की है कि वे पतंग उड़ाते समय इस बात की सावधानी रखें कि आसमान में उड़ते पक्षी पतंग की डोर से घायल न हों।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार किताबें ऐसी शिक्षक हैं जो बिना कष्ट दिए, बिना आलोचना किए और बिना परीक्षा लिए हमें शिक्षा देती हैं। - अज्ञात

संपादकीय

स्वच्छ ऊर्जा की ओर

विज्ञान की एक खबर या उसके प्रचार ने पूरी दुनिया को अचंभित कर दिया। ऐसा लगा, मानो चीन ने कृत्रिम सूरज बना लिया हो, इसे प्रचारित भी ऐसे ही किया गया। परमाणु मिश्रण जिसे प्लाज्मा भी कहा जा रहा है, के सहारे सूरज से पांच गुना तापमान को 17 मिनट से अधिक समय तक बनाए रखकर विश्व रिकॉर्ड का दावा किया गया है। चीन से पहले फ्रांस ने यह प्रयोग साल 2003 में किया था, जिसमें लगभग इतने ही तापमान को 390 सेकंड तक कायम रखा गया था। पिछले वर्ष मई में चीन ने एक छोटा प्रयोग किया था और इतने ही तापमान को 101 सेकंड तक कायम रखा था। चूंकि इन दिनों चीन की पूरी कोशिश खुद को सुपर पावर के रूप में स्थापित करने की है, इसलिए वह हर क्षेत्र में रिकॉर्ड बनाने के जुनून के साथ जुटा हुआ है। बेशक, पिछले वर्षों में चीन की वैज्ञानिक तरक्की काबिलेगौर है, लेकिन उसके प्रयोगों को अमेरिका या यूरोप की तरह विश्वसनीयता हासिल नहीं है। चीन को विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए कई कदम उठाने पड़ेंगे। बहरहाल, ऐसे प्रयोग को दूसरा सूरज या कृत्रिम सूरज बनाने का नाम देना बिल्कुल गलत है। प्रयोग की प्रवृत्ति भले सूरज से थोड़ी मिलती-जुलती हो, लेकिन आकार-प्रकार में इस प्रयोग का सूरज से दूर-दूर तक कोई मुकाबला नहीं है। हम दूर-दूर तक भविष्य में भी कोई ऐसा कृत्रिम सूरज बनाने नहीं जा रहे हैं, जिसे आसमान पर सजा दिया जाए और जिससे पूरी दुनिया लाभान्वित हो। अत- अव्वल तो वैज्ञानिकों को अतार्किक दावों या नामकरण से बचना चाहिए और ऐसे प्रयोगों की वास्तविक व्यावहारिकता को परखना चाहिए। तो फिर फ्रांस या चीन में हुए प्रयोग के क्या मायने हैं? चाइनीज अकादमी ऑफ साइंसेज के इंस्टीट्यूट ऑफ प्लाज्मा फिजिक्स के एक शोधकर्ता गोंग जियानजू ने अपने एक बयान में कहा है कि हालिया अभियान एक फ्यूजन रिएक्टर चलाने की दिशा में ठोस वैज्ञानिक और प्रयोगात्मक नींव रखता है। वास्तव में वैज्ञानिक परमाणु संलयन की शक्ति का दोहन करने की कोशिश कर रहे हैं। यह ठीक वैसी ही वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिससे तारे 70-70 साल तक चमकते या जलते रहते हैं। मोटे तौर पर अगर समझा जाए, तो यह प्रयोग परमाणु ऊर्जा का ही अगला संस्करण है। ऐसे प्रयोग के माध्यम से कोशिश हो रही है कि ज्यादा से ज्यादा ऊर्जा बनाई जाए। चूंकि ऐसे प्रयोग या उद्यम से स्वच्छ ऊर्जा हासिल होगी, इसलिए इसका महत्व खास हो जाता है। इस ढंग से अगर ऊर्जा का निर्माण हो, तो रेडियोधर्मी कचरे के उत्पादन से भी बचा जा सकता है। बदलते समय के साथ ज्यादा से ज्यादा स्वच्छ ऊर्जा की जरूरत बढ़ती चली जा रही है, लेकिन वास्तव में ऐसे प्रयोग को व्यावहारिक बनाने की जरूरत है। फायदा तब है, जब इस सपने को जमीन पर उतारा जाए। इसमें कोई शक नहीं कि दुनिया प्रकृति अनुकूल स्वच्छ ऊर्जा की तलाश में है, लेकिन विकसित होने का दावा करने वाले देशों के मन में क्या चल रहा है? दुनिया के विशाल देश अगर ईंधन के रूप में तेल या कोयले की बचत कर सकते हैं और ऐसे प्लाज्मा प्लांटों से पर्याप्त ऊर्जा पा सकते हैं, तो उनका स्वागत है, लेकिन हकीकत यह है कि ऊर्जा की यह मंजिल अभी दूर है। इस प्रक्रिया से स्थाई ताप उत्सर्जन अभी कोशिश के दौर में ही है।

आज के कार्टून

झूठा अभिमान

श्रीराम शर्मा आचार्य/ एक मक्खी एक हाथी के ऊपर बैठ गई। हाथी को पता न चला मक्खी कब बैठी? मक्खी बहुत भिनिभनाई आवाज की, और कहा, 'भाई! तुझे कोई तकलीफ हो तो बता देना। वजन मालूम पड़े तो खबर कर देना, मैं हट जाऊंगी।' लेकिन हाथी को कुछ सुनाई न पड़ा। फिर हाथी एक पुल पर से गुजरने लगा बड़ी पहाड़ी नदी थी, भयंकर गड्ढा था, मक्खी ने कहा कि 'देख, दो हैं, कहीं पुल टूट न जाए! अगर ऐसा कुछ डर लगे तो मुझे बता देना। मेरे पास पंख है, मैं उड़ जाऊंगी।' हाथी के कान में थोड़ी-सी कुछ भिनिभनाहट पड़ी, पर उसने कुछ ध्यान न दिया। फिर मक्खी के बिदा होने का वक्त आ गया। उसने कहा, 'यात्रा बड़ी सुखद हुई, साथी-संगी रहे, मित्रता बनी, अब मैं जाती हूं, कोई काम हो, तो मुझे कहना, तब मक्खी की आवाज थोड़ी हाथी को सुनाई पड़ी, उसने कहा, 'तू कौन है कुछ पता नहीं, कब तू आई, कब तू मेरे शरीर पर बैठी, कब तू उड़ गई, इसका मुझे कोई पता नहीं है। लेकिन मक्खी तब तक जा चुकी थी सन्त कहते हैं, 'हमारा होना भी ऐसा ही है। इस बड़ी पृथ्वी पर हमारे होने, ना होने से कोई फर्क नहीं पड़ता। हाथी और मक्खी के अनुपात से भी कहीं छोटा, हमारा और ब्रह्मांड का अनुपात है। हमारे ना रहने से क्या फर्क पड़ता है? लेकिन हम बड़ा शोरगुल मचाते हैं। वह शोरगुल किसलिए है? वह मक्खी क्या चाहती थी? वह चाहती थी हाथी स्वीकार करे, तू भी है; तेरा भी अस्तित्व है, वह पूछ चाहती थी। हमारा अहंकार अकेले तो नहीं जी सक रहा है। दूसरे उसे मानें, तो ही जी सकता है। इसलिए हम सब उपाय करते हैं कि किसी भांति दूसरे उसे मानें, ध्यान दें, हमारी तरफ देखें; उपेक्षा न हो। सन्त विचार-हम वस्त्र पहनते हैं तो दूसरों को दिखाने के लिए, स्नान करते हैं सजाते-संवारते हैं ताकि दूसरे हमें सुंदर समझें। धन इकट्ठा करते, मकान बनाते, तो दूसरों को दिखाने के लिए। दूसरे देखें और स्वीकार करें कि तुम कुछ विशिष्ट हो, ना की साधारण। तुम मिट्टी से ही बने हो और फिर मिट्टी में मिल जाओगे, तुम अज्ञान के कारण खुद को खास दिखाना चाहते हो वरना तो तुम बस एक मिट्टी के पुतले हो और कुछ नहीं। अहंकार सदा इस तलाश में है वे आंखें मिल जाएं, जो मेरी छाया को वजन दे दें। याद रखना आत्मा के निकलते ही यह मिट्टी का पुतला फिर मिट्टी बन जाएगा इसलिए अपना झूठा अहंकार छोड़ दो और सब का सम्मान करो क्योंकि जीवों में परमात्मा का अंश आत्मा है।

कोरोना कहर के बीच चुनावी लहर

राजकुमार सिंह

मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा की लखनऊ में टिप्पणी कि सभी राजनीतिक दल समय पर चुनाव चाहते हैं, सत्ता-राजनीति की संवेदनहीनता का एक और उदाहरण है। चंद महीनों की आंशिक राहत के बाद देश एक बार फिर से कोरोना की लहर में फंसता दिख रहा है। लगभग सात माह के अंतराल के बाद नये कोरोना मामलों का दैनिक आंकड़ा एक लाख पार कर गया है। बेशक कोरोना के इस कहर के बीच सरकारों ने आम जन जीवन पर पाबंदियां भी बढ़ायी हैं। कहीं रात्रि कर्फ्यू है तो कहीं वीकेंड कर्फ्यू भी है। सरकारी-गैर सरकारी दफ्तरों में हाजिरी 50 प्रतिशत तक सीमित कर दी गयी है। शिक्षण संस्थानों पर एक बार फिर से ताले लग गये हैं तो बाजार भी शाम से ही बंद होने लगे हैं। बिना वैक्सीनेशन आवागमन आसान नहीं रह गया है तो कहीं-कहीं उसके बिना वेतन पर भी रोक है, लेकिन दिनोंदिन बढ़ती इन पाबंदियों के बीच भी एक चीज पूरी तरह खुली है—और वह है राजनीति, खासकर फरवरी-मार्च में आसन्न विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में। समाचार माध्यमों में दिखाये जाने वाले फोटो-वीडियो साक्षी हैं कि हमारे ज्यादातर राजनेता जीवन रक्षक बताया जाने वाला मास्क पहनने से ज्यादा जरूरी अपना चेहरा दिखाना समझते हैं। मास्क न पहनने वालों के चालान काटने से हुई कमाई का आंकड़ा बता कर अपनी पीठ थपथपाने में शायद ही कोई राज्य सरकार पीछे रही हो, लेकिन यह किसी ने नहीं बताया कि सत्ता का चाबुक क्या किसी सफेदपोश पर भी चला! जब ज्यादातर नेताओं का यह आलम है तो फिर कार्यकर्ताओं से आप क्या उम्मीद करेंगे? बेशक नये कोरोना मामलों का दैनिक आंकड़ा एक दिन पहले ही एक लाख पार गया है, लेकिन नये ओमीक्रोन वेरिएंट की दिसंबर में आहट के साथ ही तमाम जानकारों ने आगाह कर दिया था कि तीसरी लहर, दूसरी लहर से ज्यादा प्रबल साबित होगी। उसके बाद भी पंजाब से लेकर गोवा तक राजनीतिक दलों-नेताओं की सत्ता लिप्सा पर कहीं कोई लगाम नजर नहीं आती। यह स्थिति तब है, जब बेकाबू दूसरी लहर और बदहाल स्वास्थ्य तंत्र के चलते अस्पतालों से श्मशान तक के हृदय विदारक दृश्य लोग भुला भी नहीं पाये हैं। किसी मारक महामारी से निपटने में हमारा स्वास्थ्य तंत्र खुद कितना बीमार नजर आता है, पूरी दुनिया देख चुकी है। जान बचाना तो दूर, हमारी सरकारें मृतकों का सही आंकड़ा तक नहीं बता पायीं। पहली लहर के हालात से सबक लेकर स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के बड़े-बड़े दावों की पोल दूसरी लहर में खुल चुकी है। कौन दावा कर सकता है कि दूसरी लहर के वक्त किये गये वैसे ही दावों की पोल तीसरी लहर में नहीं खुल जायेगी, क्योंकि घटती समस्या के मद्देनजर उससे मुंह मोड़ लेने की हमारे तंत्र की फितरत तो बहुत पुरानी है। हमारी ज्यादातर समस्याओं के मूल में आग लगने पर कुआं खोदने वाली यह मानसिकता ही है। पर मानसिकता तो तब बदले, जब मन बदले, लेकिन मन तो सत्ता-सुंदरी में इस कदर रमा है कि कुछ और नजर ही नहीं आता। हमारी राजनीति इस कदर चुनावजीवी हो गयी है कि एक चुनाव समाप्त होता है तो दूसरे की बिसात बिछाने में जुट जाती है। ऐसे में सुशासन तो बहुत दूर की बात है, शासन के लिए भी समय मुश्किल से ही मिल पाता है। मुख्य चुनाव आयुक्त की टिप्पणी से पहले से ही देश में बहस चल रही है कि जब जान और जहान, दोनों खतरे में हैं, तब अतीत से सबक लेकर आसन्न चुनाव स्थगित क्यों न कर दिये जायें। दरअसल मुख्य चुनाव आयुक्त की वह टिप्पणी भी इसी बहस और इससे उपजे सवाल के जवाब में ही आयी। उस टिप्पणी के बाद भी बहस जारी है कि दूसरी लहर में गयीं अनगिनत इनसानी जानों से सबक लेकर तीसरी लहर में मानवीय क्षति से बचने के लिए पांच राज्यों के आसन्न विधानसभा चुनाव स्थगित करने की पहल और फैसला किसे करना चाहिए या कौन कर सकता है? याद रहे कि पिछले साल दूसरी कोरोना लहर के आसपास हुए विधानसभा चुनाव से संक्रमण को मिली घातक रफ्तार और उससे हुई जनहानि के लिए मद्रास उच्च न्यायालय ने सीधे-सीधे चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराया था। उच्च न्यायालय की टिप्पणियों से तिलमिलाया चुनाव आयोग उनके विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में भी गया था, लेकिन यह कभी नहीं बताया कि अगर वह नहीं, तो चुनाव प्रचार के दौरान तेज रफ्तार कोरोना संक्रमण के लिए कौन जिम्मेदार था? माना कि हमारा दंतविहीन चुनाव आयोग चुनाव स्थगित करने जैसा फैसला नहीं ले सकता, पर चुनाव प्रचार के लिए ऐसे प्रावधान तो कर सकता है, जो संक्रमण की रफ्तार रोकने में मददगार हों। पिछले साल के चुनावों में अगर बड़ी रैलियों-सभाओं पर पाबंदियों समेत वैसे प्रावधान किये गये होते तो शायद दूसरी लहर का कहर उतना मारक नहीं हुआ होता। विडंबना यह है कि उससे सबक लेकर चुनाव आयोग ने अभी तक आसन्न चुनावों के लिए भी वैसा कोई कदम नहीं उठाया है। जब कोरोना का प्रकोप कम था, तब निर्धारित समय से पहले भी तो यह चुनाव करवाये जा सकते थे? हमारे संविधान में चुनाव स्थगन सिर्फ आपातकाल में ही संभव है, पर क्या एक संक्रामक महामारी के चलते लाखों नागरिकों की अकाल मौत और वैसी ही आशंका फिर गहराना आपातकाल नहीं है? आदर्श स्थिति होगी कि हमारे राजनीतिक दल-नेता सत्ता लिप्सा से उबर कर तकनीकी-कानूनी बहस में फंसने के बजाय व्यापक राष्ट्रहित में कुछ माह के लिए चुनाव स्थगन पर सहमति तलाशें, जो संविधान संशोधन के माध्यम से संभव भी है। बेशक जानकारों के मुताबिक, अक्सर संकटमोचक की भूमिका निभाने वाला सर्वोच्च न्यायालय भी जन जीवन की रक्षा में ऐसी पहल कर सकता है, पर सवाल वही है कि जीवंत लोकतंत्र के स्वयंभू ठेकेदार राजनीतिक दल और नेता भी कभी किसी राष्ट्र हित-जन हित की कसौटी पर खरा उतरेंगे? नहीं भूलना चाहिए कि पिछले साल कोरोना के कहर के चलते दुनिया के अनेक देशों में चुनाव स्थगित कर विलंब से करवाये गये थे। अगर हमारी सत्ताजीवी राजनीतिक व्यवस्था राष्ट्र हित-जन हित में ऐसा फैसला नहीं ले पाती, तब कम से कम उसे चुनाव प्रचार के सुरक्षित तौर-तरीके तो अवश्य ही अपनाने चाहिए, जिनके लिए चुनाव आयोग के निर्देशों की प्रतीक्षा भी जरूरी नहीं। याद रखें - जनता के लिए सत्ता होती है, सत्ता के लिए जनता नहीं। हम कई साल से डिजिटल इंडिया का शोर सुन रहे हैं। अगर आबादी के साधन विहीन अशिक्षित बड़े वर्ग पर डिजिटल जिंदगी थोपी जा सकती है तो हमारे सर्व साधन संपन्न राजनीतिक दल और नेता अपनी राजनीति भी डिजिटल क्यों नहीं करते? बिहार और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान वर्चुअल रैलियों का प्रयोग किया भी गया था। वैसे भी हमारे ज्यादातर नेता आजकल सोशल मीडिया के जरिये ही मीडिया और जनता से संवाद करते हैं। तब चुनाव प्रचार भी मीडिया के विभिन्न अवतारों के जरिये क्यों नहीं किया जा सकता? आकाशवाणी और दूरदर्शन पर राजनीतिक दलों को उनकी हैसियत के अनुसार समय आवंटित किया जा सकता है, तो वे समाचार पत्रों-निजी टीवी चैनलों पर भी अपने चुनाव व्यय से स्थान-समय खरीद सकते हैं।

सुरक्षा में चूकः लापरवाही से आगे के निहितार्थ

- डॉ. राघवेंद्र शर्मा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में जोखिम पूर्ण लापरवाही देखकर मन व्यथित ही नहीं, अपितु आश्चर्यचकित भी है। अबतक अनेक प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति हुए, लेकिन उनकी सुरक्षा व्यवस्था में ऐसी गंभीर चूक देखने में नहीं आई। यह क्षोभ केवल इसलिए नहीं है कि मोदी भाजपा के स्थापित नेता हैं। बल्कि इसलिए भी है, क्योंकि वे देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री, वैश्विक पटल पर तेजी से उभर रहे अंतरराष्ट्रीय नेता भी हैं। यह लिखने में किंचित मात्र भी संकोच नहीं है कि मोदी के नेतृत्व में भारत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी जो धाक जमाई है, वह अप्रतिम है। स्वयं को विश्व का स्वयंभू मुखिया मानने वाले देशों के राष्ट्राध्यक्ष भी मोदी की कार्यप्रणाली के चलते यह ध्यान रखने लगे हैं कि उनके क्रियाकलापों से कहीं भारत की भावनाएं आहत तो नहीं हो रहीं! यह भी पहली बार देखने को मिल रहा है कि भारत अपने पड़ोसी देशों की ज्यादतियों को लेकर सुरक्षात्मक नहीं बल्कि आक्रामक मुद्रा के साथ अपनी संप्रभुता की रक्षा करने हेतु पूर्व की अपेक्षा कहीं अधिक दृढ़ संकल्पित दिखाई देता है। फलस्वरूप भारत और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को समूचा विश्व नए नेतृत्व कर्ता के रूप में देखने लगा है। ऐसे में शत्रु देशों की आंखों में हमारे प्रधानमंत्री का खटकना स्वाभाविक है। जाहिर है इससे उनकी जान का और भारत में राजनीतिक अस्थिरता का जोखिम बढ़ जाता है। यह सब जान समझ कर उनकी सुरक्षा के प्रति सभी राजनीतिक दलों, उनके नेताओं और विभिन्न प्रांतों की सरकारों का दायित्व और बढ़ जाता है। फिर भी पंजाब के दौरे पर उनके काफिले का तथाकथित आंदोलनकारियों के बीच घिर जाना, वहां की सरकार की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगाता है। यह कितनी घातक स्थिति थी कि प्रधानमंत्री का काफिला एक ओवरब्रिज पर ऐसी जगह घेरा गया, जहां से उन्हें तत्काल ना निकाला गया होता तो वहां से ना आगे बढ़ना संभव था और ना पीछे लौटना। सबसे बड़ी जोखिम पूर्ण स्थिति तो यह रही कि जहां यह विसंगति पूर्ण घटना घटित हुई, वहां से पाकिस्तान की सीमा बमुश्किल 35 किलोमीटर दूर रह जाती है। अतः इस बात की आशंका बढ़ जाती है कि जो कुछ भी हुआ, कहीं उसमें शत्रु देशों द्वारा रचित षड्यंत्र के तहत स्थानीय राष्ट्र विरोधी तत्वों का हाथ तो नहीं? क्योंकि राष्ट्रीय स्तर के समाचार चैनलों में यह स्पष्ट रूप से दिखाया गया कि मोदी के पंजाब दौरे से ठीक पहले वहां खालिस्तान समर्थकों ने दुपहिया वाहन रैली निकाली और उसमें खुलकर खालिस्तान जिंदाबाद तथा देश के प्रधानमंत्री के लिए मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। कौन नहीं जानता कि इन्हीं खालिस्तानियों के हाथों पूर्व में देश के एक प्रधानमंत्री की जान ली जा चुकी है। ये और बात है कि उसके बाद कांग्रेसियों ने पूरे मुल्क में सिखों के खिलाफ आतंक का जो नंगा नाच किया, उसने खालिस्तानियों की नृशंस करतूतों को भी शर्मिंदा कर दिया था। उक्त बेहद शर्मनाक वाकये के बाद देशभर के सिखों का कांग्रेस से मोहभंग हुआ, जो अब तक बना हुआ है। इस नजरिए से देखा जाए तो संदेह उत्पन्न होता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काफिले का घेराव उनका अनिष्ट किए जाने के षड्यंत्र का भाग तो नहीं था। कहीं यह घेराव उस षड्यंत्र का भाग तो नहीं था, जिसके तहत बड़ी अप्रिय वारदात घटित कर भाजपा के खिलाफ सिखों को, या फिर सिखों के खिलाफ दूसरे वर्गों को आक्रोशित किया जा सके। यह सारे सवाल इसलिए भी महत्व रखते हैं, क्योंकि केंद्र में स्थापित मोदी सरकार के राजनीतिक विरोधियों में सैद्धांतिक विरोध का सामर्थ्य कम, शत्रुता का भाव ज्यादा देखने में आता है। इनके द्वारा आयोजित अनेक राजनैतिक विरोध प्रदर्शनों में वर्तमान प्रधानमंत्री की मृत्यु तक की कामना की जाती है। यही नहीं, विभिन्न राज्यों में स्थापित गैर भाजपा सरकारों के मुख्यमंत्रियों और उनसे संबंधित मंत्रियों, नेताओं द्वारा वहां के राज्यपालों के साथ आए दिन दुर्व्यवहार किया जाता रहता है। अनेकों बार उनके समक्ष अप्रिय और जोखिम पूर्ण स्थितियां निर्मित की जाती रहती हैं। वह भी केवल इसलिए, क्योंकि उपरोक्त सरकारों और उनके नेताओं को महामहिम में निहित एक वैधानिक शख्सियत की बजाय उनके भीतर केवल एक विरोधी दल का राजनेता दिखाई देता है। इस तरह के आचार-विचार और व्यवहार, देश के लोकतांत्रिक संघीय ढांचे के लिए मंगलदायक तो कतई नहीं हैं। अतः आवश्यकता इस बात की है कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में हुई गंभीर चूक में निहित साजिशों का पर्दाफाश होना चाहिए। उन चेहरों को बेनकाब करते हुए उनके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई अपेक्षित है, जिनके द्वारा देश के प्रधानमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था में व्यवधान पैदा किया गया। यह भी जरूरी है कि भारत जैसे विश्व के महान लोकतांत्रिक देश में संकीर्ण राजनीतिक मंशाओं का त्याग किया जाना चाहिए। सियासी विरोधियों के प्रति विरोध कायम रखते हुए उसके प्रति मन में स्थापित शत्रुता का भाव खत्म होना आवश्यक है। यदि हम ऐसा कर पाए, तभी देश की महान सौहार्दपूर्ण परंपराओं को बचा कर रख पाएंगे।

(लेखक, मप्र बाल संरक्षण आयोग के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

सू-दोकू नवताल -2016

2				9	8	7		1
1					3	5		
		9		5				
3	4	7				2		6
5		2		6		4		8
8		1				9	3	7
				7		1		
		8	2					4
9		4	5	8				2

सू-दोकू -2015 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2016

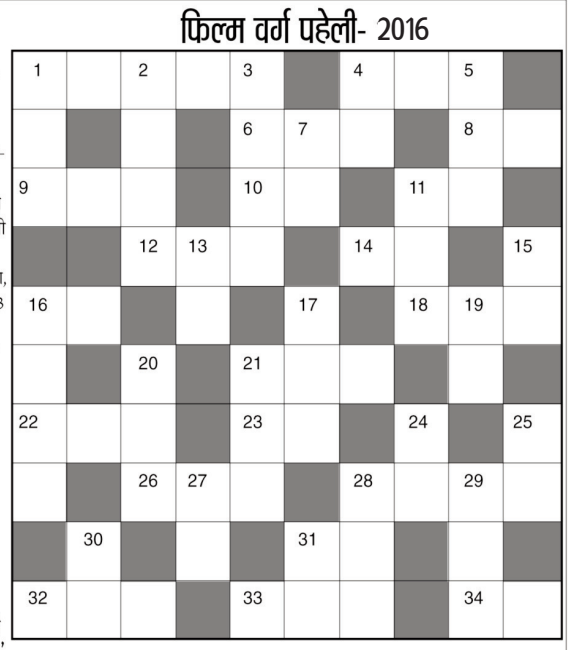

बायें से दायें:-

1. फिल्म 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजय दत्त के साथ नायिका कौन थी-2,3
4. बॉबी देओल, करिश्मा कपूर की 'तुम क्या जानो दिल करता' गीत वाली फिल्म-3
6. अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा बसु की फिल्म-3
8. मोहित अहलावत, निशा कोठारी की 'कैसे कहें तम्हें कैसे कहें' गीत वाली फिल्म-2
9. सैफअली खान,काजोल की फिल्म-3
10. फिल्म 'विक्टोरिया नं.203' में ओम पुरी के किरदार का नाम-2
11. शाहरुख, चंद्रचूड़ सिंह, ऐश्वर्या राय, प्रिया गिल की फिल्म-2
12. किरण झंजानी, गणेश यादव, प्रीति झंगियानी, ईशा कोप्पिकर, तारा शर्मा की 'मेहंदी लाया साजन मेरा' गीत वाली फिल्म-3
14. फिल्म 'घातक' में सनी देओल के किरदार का नाम-2
16. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-2
18. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-3
21. देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-3
22. 'सात सहेलियां खड़ी खड़ी' गीत वाली फिल्म-3
23. गोविंदा, सोनम की 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली फिल्म-2
26. बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, उर्वशी शर्मा की फिल्म-3
28. अजय देवगन, जूही चावला की 'लाल लाल होंठों पे' गीतवाली फिल्म-4
31. मिथुन, स्वाति, मानवी गोस्वामी की फिल्म-2
32. अजय देवगन, आयशा टाकिया की फिल्म-3
33. राजेंद्र कुमार, कामिनी कदम की 'हाथों में किताब है' गीत वाली फिल्म-3
34. फिल्म 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी-2

ऊपर से नीचेः-

1. शाहिद कपूर, अमृता राव की 'मिलन अभी अधूरा है' गीत वाली फिल्म-3
2. 'कहना है जो दिल से कहो' गीत वाली शाहरुख खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-4
3. राजेश खन्ना, श्रीदेवी, स्मिता पाटिल की 'इससे पहले कि याद तू आए' गीत वाली फिल्म-4
4. 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली दिलीप कुमार, निम्मी की फिल्म-2
5. परदेसी अनजाने से लगते हैं' गीत वाली फिल्म-3
7. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही के किरदार का नाम-2
11. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी,मीनाक्षी की फिल्म-3
13. बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-2
15. शाहरुख, प्रियंका चोपड़ा की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-2
16. 'धीरे धीरे इस दिल का' गीत वाली शाहिद कपूर और अमृता राव की फिल्म-2,2
17. 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली फिल्म-3
19. दिलीपकुमार, रेखा,ममता कुलकर्णी की फिल्म-2
20. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
21. 'मरना तेरी गली में जीना तेरी गली में' गीत वाली भारतभूषण, नूतन की फिल्म-3
24. ऋतिक रोशन, करिश्मा कपूर, नेहा की 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली फिल्म-2
25. 'ये दौलत भी ले लो ये शोहरत भी ले लो' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-2
27. अजय, जॉन, विवेक, लारा, एशा देओल की 'तौबा तौबा इश्क' गीत वाली फिल्म-2
28. 'जीवन भर ढूंढ़ा जिस को' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा पारेख की फिल्म-3
29. 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीतवाली फिल्म-3
30. सनी देओल, प्रीति जिंटा की फिल्म-2
31. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, पद्मिनी कोल्हापुरी की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2015

उ	म	श	व	जा	न		आ	गा	ज
मं		हु		न		र	ति		मा
ग	ज	ल		शी	बा		श	बा	ना
	मी		अ	न	जा	ना		रू	
स	र	ग	म		र		स	द	मा
हे		द	ला	ल		सु	र		ई
ली	ड	र		ज्जा		ख		खे	ल
	कै		का		सो		आ		व
श	त	औ	र	दि	न		ये		
खी			वां		म	न	प	सं	द

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नए साल में बिटकाइन में 10 फीसदी गिरावट

मुंबई (एजेंसी)।

दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन में सोमवार को 42,000 डॉलर के स्तर से नीचे कारोबार दर्ज किया गया। बिटकॉइन ने नवंबर की शुरुआत में लगभग 69,000 डॉलर के साथ रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। वहां से बिटकॉइन 27,000 डॉलर से ज ेयादा नीचे आ आ चुका है। नए साल की शुरुआत के बाद से क्रिप्टोकरेंसी 10 फीसदी से अधिक गिर गई है। सोमवार सुबह ईथर, इथेरियम ब्लॉकचैन से जुड़ा सिक्का और दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी एक फीसदी की तेजी के साथ 3,140 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। दूसरी ओर, डॉगकोइन की कीमत लगभग 0.8 फीसदी गिरकर 0.15 डॉलर हो गई, जबकि शीबा इनु 1 फीसदी से अधिक 0.00028 डॉलर हो गई। उसी समय बायनेंस कॉइन भी 436 डॉलर से थोड़ा अधिक था। ईथर, इथेरियम ब्लॉकचैन से जुड़ा सिक्का और दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी एक फीसदी की तेजी के साथ 3,140 डॉलर पर कारोबार कर रही है। दूसरी ओर, डॉगकोइन की कीमत लगभग 0.8 फीसदी गिरकर 0.15 डॉलर हो गई, जबकि शीबा इनु 1 फीसदी से अधिक 0.00028 डॉलर हो गई। उसी समय बायनेंस कॉइन भी 436 डॉलर से थोड़ा अधिक था। अन्य डिजिटल टोकन के प्रदर्शन को देखें तो पिछले 24 घंटों में सोलाना, कार्डानो, एक्सआरपी, लिटकोइन जैसे क्रिप्टो में गिरावट देखने को मिल रही है । वहीं टेरा, पोलकाडॉट, पॉलीगॉन, स्टेलर, यूनिस्वैप आदि करेंसी में तेजी देखने को मिल रही है। वैश्विक क्रिप्टो बाजार पूंजीकरण मामूली रूप से बढ़कर 2.07 ट्रिलियन डॉलर हो गई है। क्रिप्टोकरेंसी में हालिया उतार-चढ़ाव वित्तीय बाजारों के लिए एक अस्थिर अवधि के दौरान आया है।

क्रेडाई ने घरों की मांग में तेजी लाने कर छूट की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रियल एस्टेट कंपनियों के संगठन क्रेडाई ने घरों की मांग बढ़ाने के लिए कर राहत की मांग की है, जिसमें आवास ऋण पर ब्याज में कटौती की सीमा को वर्तमान की दो लाख रुपए से बढ़ाकर पांच लाख रुपए करना शामिल है। क्रेडाई (कॉन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशंस ऑफ इंडिया) ने वित्त मंत्रालय को भेजी बजट अनुशंसा में क्षेत्र के लिए आधारभूत दर्जे तथा किफायती घरों की परिभाषा में बदलाव की भी मांग की है। क्रेडाई के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने उम्मीद जताई कि आगामी बजट विभिन्न संशोधनों, छूटों और विस्तारों के जरिए अवसंरचना विकास और आवास क्षेत्र को बढ़ावा देगा जिसकी बेहद आवश्यकता है। उन्होंने कहा` कि हम वित्त मंत्रालय से अनुरोध करते हैं कि धारा 24(बी) के तहत कर छूट के लिए घर खरीदारों के लिए ब्याज में और कटौती की जाए। इससे घर खरीदने संबंधी धारणा मजबूत होगी विशेषकर ऐसे समय जब महामारी की तीसरी लहर का प्रकोप शुरू हो चुका है और वक्त बहुत मुश्किल चल रहा है।

होटल उद्योग ने सरकार से मांगा ढांचागत क्षेत्र का दर्जा

नई दिल्ली (एजेंसी):

कोविड-19 की तीसरी लहर में आतिथ्य क्षेत्र पर एक बार फिर अनिश्चतता के बादल मंडराने के बीच होटल उद्योग ने सरकार से उसे ढांचागत क्षेत्र का दर्जा देने की मांग की है। इसके साथ ही उद्योग ने सरकार से कर्ज के पुनर्भुगतान में दी गई छूट को बढ़ाने और करों को युक्तिसंगत बनाने को भी कहा है। भारतीय होटल संघ (एचएआई) ने सोमवार को एक बयान में कहा कि उसने सरकार को दिए गए बजट-पूर्व सुझाव में महामारी की नई लहर के इस उद्योग पर संभावित असर को देखते हुए कई रियायतें देने का अनुरोध किया है। एचएआई के मुताबिक, दूसरी लहर के बाद होटल उद्योग धीरे-धीरे पटरी पर लौटने लगा था लेकिन ओमीक्रॉन के रूप में आए नए खतरे ने इसे फिर से अनिश्चितता के भंवर में धकेल दिया है। ऐसी स्थिति में होटल उद्योग को बचाने के लिए सरकार की मदद जरूरी है। होटल संगठन ने सरकार से ढांचागत क्षेत्र का दर्जा देने की मांग करते हुए कहा है कि इससे होटल एवं आतिथ्य क्षेत्र की कंपनियों को कई समस्याओं से निपटने में मदद मिलेगी। खासकर होटल क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने में यह काफी कारगर होगा। उसने कहा है कि निवेश आने से होटल उद्योग अधिक लोगों को रोजगार देने में सक्षम होगा। इसके अलावा एचएआई ने कर्जों के पुनर्भुगतान में दी गई छूट की सीमा बढ़ाने और होटलों पर लगने वाले करों को युक्तिसंगत बनाने का भी अनुरोध किया है। इसके साथ ही होटलों के लिए

कारोबारी सुगमता बढ़ाने वाले कदम भी उठाए जाने चाहिए। एचएआई ने कहा कि देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में करीब नौ प्रतिशत का योगदान देने वाले होटल उद्योग में करीब 4.5 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से रोजगार मिला हुआ है। इस लिहाज से होटल उद्योग का बेहतर प्रदर्शन भारतीय अर्थव्यवस्था के पुनरुद्धार के लिए जरूरी है।

खुदरा व्यापार नीति में कारोबारियों के लिए बीमा योजना!

नई दिल्ली । उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) राष्ट्रीय खुदरा व्यापार नीति के लिए सार्वजनिक विमर्श शुरू करने पर विचार कर रहा है। इसमें चोरी, दुर्घटना या किसी प्राकृतिक आपदा से कारोबारियों की सुरक्षा के लिए एक बीमा योजना बनाई जा सकती है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि नीति में कारोबारियों की मदद के लिए उन्हें कम लागत का ऋण सुविधा मुहैया कराने, डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देने और उपयुक्त बुनियादी ढांचा तैयार करने के तरीकों की घोषणा की जाएगी। सरकार के इस कदम से खासकर परंपरागत कारोबारियों को मदद मिलने की संभावना है, जिन्हें बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा करनी पड़ रही है। इन कारोबारियों की शिकायत है कि ये विदेशी निवेश वाली बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियां अवैध कारोबारी हथकंडे अपना रही हैं। यह नीति ऐसे समय लागू की जा रही है, जब सरकार ई-कॉमर्स क्षेत्र में नियम कड़े करने के लिए प्रस्तावित कुछ नियमों में ढील देने के बारे में विचार कर रही है। उद्योग के लॉबी समूह भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और वैश्विक सलाहकार कंपनी कार्नी द्वारा तैयार रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था में खुदरा तीसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है, जिसका सकल घरेलू उत्पाद में 12 फीसदी से अधिक सकल मूल्य योगदान है। यह क्षेत्र पांच करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देता है। अधिकारी ने कहा` कि प्रस्तावित राष्ट्रीय खुदरा व्यापार नीति का मकसद देश में किराना दुकानों को मदद एवं प्रोत्साहन देना और कारोबारियों का कल्याण है। हम कारोबार करने के लिए आवश्यक लाइसेंस की संख्या घटाकर उनका अनुपालन बोझ हल्का करने के तरीके तलाश रहे हैं। पहले से मौजूद एक पेंशन योजना की तरह अन्य तरीका उन्हें किसी दुर्घटना, चोरी या किसी प्राकृतिक आपदा से बचाने के लिए बीमा पॉलिसी हो सकती है। आसानी से ऋण उपलब्धता और कर्ज की कम लागत भी उतने ही महत्त्वपूर्ण हैं।

जुलाई-सितंबर 2021 में रोजगार बढ़कर 3.10 करोड़ हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

श्रम मंत्रालय के तिमाही रोजगार सर्वेक्षण के अनुसार नौ चयनित क्षेत्रों में कुल रोजगार की संख्या जुलाई सितंबर 2021 के दौरान 3.10 करोड़ रही, जो अप्रैल-जून के मुकाबले दो लाख अधिक है। श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेंद्र यादव ने श्रम ब्यूरो द्वारा तैयार तिमाही रोजगार सर्वेक्षण (क्यूईएस) को जारी किया, जिसके मुताबिक अप्रैल से जून, 2021 में नौ चयनित क्षेत्रों में कुल रोजगार की संख्या 3.08 करोड़ थी। ये आंकड़े कोरोना महामारी की दूसरी लहर के बाद राज्यों द्वारा लॉकडाउन प्रतिबंधों को हटाने के चलते आर्थिक गतिविधियों में हुए सुधार को दर्शाते हैं। ये नौ क्षेत्र विनिर्माण, निर्माण, व्यापार, परिवहन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रेस्टोरेंट, आईटी, बीपीओ (बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग) और वित्तीय सेवाएं हैं। यह इस कड़ी की दूसरी रिपोर्ट है। पहली रिपोर्ट अप्रैल-जून 2021 की थी। इस अध्ययन में 10 या अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों को शामिल किया गया। यादव ने रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि इन अध्ययनों से सरकार को साक्ष्य आधारित नीति बनाने में मदद मिलेगी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद, निफ्टी फिर 18000 के पार पहुंचा

सेसेंक्स 60,395 पर पहुंचा

मुम्बई (एजेंसी)।

मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में यह उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही पीएसयू बैंक, आईटी, ऑटो, कैपिटल गुड्स, पावर, बैंक और रियल्टी कंपियों के शेयरों के ऊपर आने से आया है। इससे निफ्टी एक बार फिर 18000 के ऊपर पहुंच गया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित मुम्बई शेयर बाजार (बीएसई) सेसेंक्स 650.98 अंक करीब 1.09 फीसदी की बढ़त के साथ ही 60,395.63 के स्तर पर बंद हुआ है। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई (निफ्टी) 190.60 अंक तकरीन 1.07 फीसदी की बढ़त के साथ 18,003.30 के स्तर पर बंद हुआ।

करोबार के दौरान दिग्गज शेयरों के साथ ही छोटे ओर मध्यम शेयरों में उछाल आया है। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.69 फीसदी की बढ़त के साथ ही 25,649.52 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं स्मॉलकैप इंडेक्स 1.19 फीसदी की तेजी के साथ 30,388.89 के स्तर पर बंद हुआ है। कारोबार में निफ्टी के 50 में से 35 शेयरों में तेजी देखने को

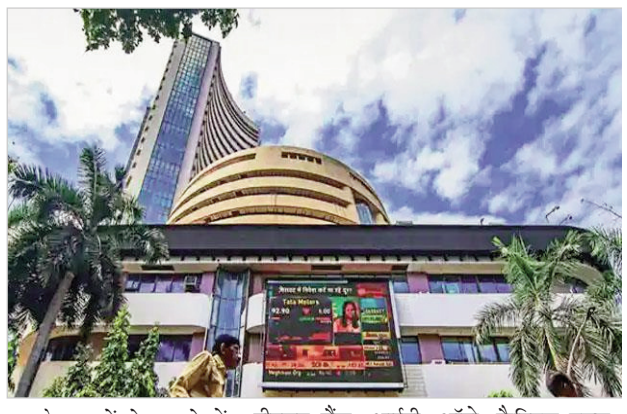

मिली जबकि सेंसेक्स के 30 में से 17 शेयरों में तेजी हावी रही। बैंक निफ्टी के सभी 12 शेयरों में तेजी दर्ज की गयी है। निफ्टी 18 नवंबर के बाद के ऊपरी स्तर पर कारोबार करता दिख रहा है।

कारोबार के अंत में सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। पीएसयू बैंक, आईटी, ऑटो, कैपिटल गुड्स, पावर, बैंक, रियल्टी इंडेक्स सभी में 1 से 3 फीसदी बढ़त देखने में आयी। इसके अलावा यूपीएल, हीरो मोटोकॉप , टाइटन , टाटा मोटर्स और मारुति सूजूकी के शेयरों को लाभ हुआ है। वहीं विप्रो , नेस्ले , डेविस लेब और एशियन पेंटस के शेयरों को नुकसान हुआ।

क्रेडिट स्कोर खराब होने पर इंश्योरेंस खरीदने में होगी दिक्कत, नहीं खोल सकेंगे डी-मैट खाता

नई दिल्ली (एजेंसी):

बेहतर वित्तीय साख के लिए क्रेडिट स्कोर का अच्छा होना बहुत जरूरी है। क्रेडिट स्कोर खराब होने पर न केवल आपको बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों से कर्ज मिलने में मुश्किलें आएंगी बल्कि आने वाले समय में इंश्योरेंस कंपनियां आपको बीमा पॉलिसी देने से मना कर सकती हैं। स्टॉक ब्रोकर आपका डी-मैट अकाउंट खोलने से इनकार कर सकता है। इसका मतलब है कि आप शेयर बाजार में निवेश नहीं कर सकेंगे। दरअसल, भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल में बदले गए नियमों के बाद कई कंपनियों को क्रेडिट ब्यूरो का डाटा एक्सेस करने की छूट दे दी है। इन नियमों से उन फिनटेक कंपनियों को फायदा होगा, जिनके पास एनबीएफसी का लाइसेंस नहीं है। साथ ही कर्ज देने के लिए बैंकों के साथ समझौता किया हुआ है। नए नियमों के तहत ये कंपनियां क्रेडिट स्कोर के आधार पर ग्राहकों को कर्ज दे सकेंगी। इसका मतलब है कि अगर आपका क्रेडिट स्कोर अच्छा होगा तो कंपनियां सस्ती दर पर और आसानी से आपको कर्ज दे देंगी। क्रेडिट स्कोर खराब होने पर कर्ज मिलने में मुश्किल आएगी। आमतौर पर 750 या इससे ज्यादा के क्रेडिट स्कोर को बेहतर माना जाता है।

खुल जाएंगे कर्ज लेने के कई विकल्प

आरबीआई के नए नियमों के तहत ई-कॉमर्स कंपनियों के साथ करार कर ये कंपनियां अपने ग्राहकों को बाय नाउ पे लेटर जैसी और योजनाओं की पेशकश कर सकती हैं। फिनटेक कंपनियों को ग्राहकों के क्रेडिट स्कोर संबंधी डाटा का एक्सेस मिलने के बाद ईमानदारी कर्जदारों के लिए कर्ज लेने के कई अन्य विकल्प खुल जाएंगे। इससे कर्ज देने के लिए इन कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जिससे ग्राहकों को लाभ होगा।

धोखाधड़ी पर लगेगी लगाम

नए नियमों के तहत धोखाधड़ी पर लगाम लगेगी क्योंकि फिनटेक कंपनियों के पास आपके कर्ज और क्रेडिट स्कोर की पूरी जानकारी लेने की अनुमति होगी। इसके लिए आरबीआई ने क्रेडिट इंफॉर्मेशन कंपनीज रेगुलेशन-2006 में

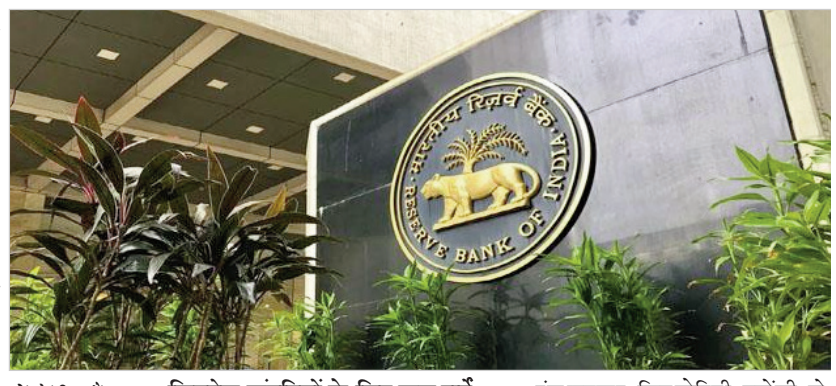

बदलाव किया है। इस संबंध में केंद्रीय बैंक का हालिया नोटिफिकेशन उसके दो साल पहले के रुख से उलट है। उस दौरान आरबीआई ने कहा था कि क्रेडिट इंफॉर्मेशन को सीधे तौर पर फिनटेक कंपनियों के साथ साझा नहीं किया जा सकता है क्योंकि बैंक इन कंपनियों को बतौर एजेंट नियुक्त कर रहे हैं, जो नियमों के खिलाफ है।

फिनटेक कंपनियों के लिए कुछ शर्तें भी

- आरबीआई ने ग्राहकों के सुरक्षित हित को देखते हुए छूट देने के साथ इन कंपनियों के लिए कुछ शर्तें तय की है।
- क्रेडिट संबंधी जानकारी पाने के लिए इन कंपनियों के नेटवर्थ 2 करोड़ रुपए से ज्यादा होनी चाहिए।
- इनके पास साइबर सिक्योरिटी एंड इंफास्ट्रक्चर सिक्योरिटी एजेंसी से सर्टिफाइड ऑडिटर का प्रमाणपत्र होना चाहिए, जिससे पता चलता है कि कंपनी के पास पुख्ता और सुरक्षित इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी सिस्टम है।
- इसमें यह सुनिश्चित किया गया है कि फिनटेक कंपनियों के पास जा रही किसी व्यक्ति की जानकारी पूरी तरह सुरक्षित रहे।

फॉक्सकॉन धीरे-धीरे तमिलनाडु संयंत्र में परिचालन फिर शुरू करेगी, एप्पल जारी रखेगी निगरानी

नई दिल्ली (एजेंसी):

एप्पल के लिए आपूर्ति करने वाली कंपनी फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी ग्रुप ने सोमवार को कहा कि उसने तमिलनाडु संयंत्र में कई सुधारात्मक उपाए किए हैं और कर्मचारियों को धीरे-धीरे श्रीपेरंबुदूर कारखाने में वापस लाया जाएगा। फॉक्सकॉन के श्रीपेरुंबुदूर कारखाने के कर्मचारी निवास स्थल में बीते दिनों बड़े पैमाने पर विषाक्त भोजन दिए जाने की घटना के बाद कंपनी को कर्मचारियों के तीखे विरोध प्रदर्शन का समाना करना पड़ा था और फिलहाल 18 दिसंबर से वहां काम बंद है। होन हाई टेक्नोलॉजी ग्रुप (फॉक्सकॉन) ने एक बयान में कहा, ''हम श्रीपेरंबुदूर में कर्मचारी निवास की सुविधाओं में पाए गए मसलों को ठीक करने और अपने कर्मचारियों को दी जाने वाली सेवाओं को बढ़ाने के लिए कई तरह के सुधारों पर काम कर रहे हैं। हमने यह सुनिश्चित करने के लिए कई सुधारात्मक उपाए किए हैं, ताकि ऐसा दोबारा न हो और अब कर्मचारी अपना नाम गोपनीय रखकर अपनी किसी भी चिंता को बता सकते हैं।'' कंपनी ने आगे कहा कि कर्मचारी निवास स्थल तैयार होने और उसे मंजूरी मिलने के बाद वह क्रमिक रूप से टीम के सदस्यों का स्वागत करना शुरू कर देगी। सूत्रों के अनुसार कर्मचारी निवास स्थल को सरकार और एप्पल की अनुमति मिलने के बाद कारखाने में क्रमिक रूप से काम शुरू कर दिया जाएगा। एप्पल के एक प्रवक्ता ने कहा कि

श्रीपेरंबुदूर संयंत्र अभी भी निगरानी में है। उन्होंने कहा, ''पिछले कई हफ्तों से स्वतंत्र लेखा परीक्षक और एप्पल की टीम फॉक्सकॉन के साथ काम कर रही हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि श्रीपेरंबदूर में कर्मचारी निवास तथा खानपान की सुविधा में व्यापक सुधारात्मक उपाए लागू किए जा सकें।'' हालांकि, कंपनियों ने परिचालन फिर से शुरू करने के लिए अपेक्षित समयसीमा पर कोई टिप्पणी नहीं की। दूसरी ओर सूत्रों ने कहा कि संयंत्र में पूरी तरह परिचालन शुरू करने में अधिक समय लगेगा और श्रमिकों को अगले कुछ महीनों में चरणबद्ध तरीके से वापस लाया जाएगा। कारखाने में 15,000 से अधिक लोग काम कर रहे थे।

अमेरिका को आम और अनार का निर्यात जनवरी-फरवरी में शुरू करेगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्र सरकार का कहना है कि भारत से अमेरिका को आम और अनार का निर्यात इस साल जनवरी-फरवरी में शुरू हो जाएगा। इससे देश का कृषि निर्यात बढ़ाने में मदद मिलेगी। भारत से अनार के दानों (पॉमग्रेनेट एरिल) का अमेरिका को निर्यात और अल्फाल्फा चारे तथा चेरी का अमेरिका से आयात भी इस साल अप्रैल से शुरू हो जाएगा। वो णिज्य मंत्रालय ने कहा कि 23 नवंबर, 2021 को हुई 12वीं भारत-अमेरिका व्यापार नीति मंच की बैठक के अनुरूप कृषि एवं किसान कल्याण विभाग तथा अमेरिका के कृषि विभाग (यूएसडीए) ने 2 बनाम 2 कृषि बाजार पहुंच मुद्दों के क्रियान्वयन के लिए रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत, आम, अनार और अनार के दानों के निरीक्षण एवं निगरानी तंत्र के तहत भारत से इनके निर्यात और अमेरिका की चेरी और अल्फाल्फा चारे के लिए भारत के बाजार में पहुंच देना शामिल है। आम और अनार का निर्यात जनवरी-फरवरी, 2022 में शुरू होगा और अनार के दानों का निर्यात अप्रैल, 2022 से आरंभ होगा।

व्यापार नीति मंच की बैठक में इन मुद्दों पर चर्चा हुई थी। भारत ने बीते दो वर्ष से अमेरिका को आम निर्यात नहीं किए हैं।

नए साल में एसी और फ्रिज की कीमत बढ़ी

मुंबई ।

कच्चे माल और ढुलाई भाड़े में बढ़ोतरी के कारण टिकाऊ उपभोक्ता सामान कंपनियों ने नए साल में एयर कंडीशनर और रेफ्रिजरेटर की कीमतें बढ़ा दी हैं। वॉशिंग मशीन भी मार्च 2022 तक 5-10 फीसदी तक महंगा हो सकता है। पैनासोनिक, एलजी और हायर सहित कई कंपनियां पहले ही कीमतों में बढ़ोतरी कर चुकी हैं। सोनी, हिताची, गोदरेज अप्लायंसेज इस तिमाही के अंत तक कीमतें बढ़ा सकती हैं। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड अप्लायंसेज मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (सिएमा) के मुताबिक उद्योग जनवरी-मार्च 2022 तक कीमतों में 5-7 फीसदी की बढ़ोतरी करेगा। एसोसिएशन का कहना है कि त्योहारी सीजन की वजह से उद्योग ने मूल्यवृद्धि को टाल दिया था। अब विनिर्माताओं के पास कीमत वृद्धि का बोझ ग्राहकों पर डालने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। पैनासोनिक पहले ही अपने एसी की कीमतों में 8 फीसदी तक वृद्धि कर चुकी है। हायर अप्लायंसेज इंडिया ने कहा कि कमोडिटी की बढ़ती कीमतों, वैश्विक ढुलाई भाड़े और कच्चे माल की लागत में भारी वृद्धि के बाद हमने रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन व एसी श्रेणियों में अपने उत्पादों की कीमतों में 3 से 5 फीसदी तक बढ़ोतरी के लिए कदम उठाए हैं। पैनासोनिक इंडिया के डिविजनल एक अे धिकारी ने कहा कि कमोडिटी के दाम बढ़ने व आपूर्ति संबंधी दिक्कतों की वजह से एसी कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। दक्षिण कोरिया की उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी एलजी ने घरेलू उपकरणों की श्रेणी में कीमतों में वृद्धि की है। कंपनी ने कहा कि कच्चे माल और लॉजिस्टिक्स की लागत में बढ़ोतरी चिंता का विषय है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के अे धिकारी कहते हैं कि हमने नवेन्मेषी उपायों के जरिए लागत का बोझ खुद उठाने का भरपूर प्रयास किया। अब कारोबार को टिकाऊ बनाए रखने के लिए कीमतों में वृद्धि करना जरूरी है।

आईसीएआई ने कर ऑडिट रिपोर्ट जमा करने 31 मार्च तक मांगा समय

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चार्टर्ड एकाउंटेंट के शीर्ष निकाय आईसीएआई ने कोरोना वायरस महामारी की वजह से पैदा हुए हालात और नए आईटी पोर्टल के इस्तेमाल में लगातार तकनीकी खामी का हवाला देते हुए जुर्माने के बिना कर ऑडिट रिपोर्ट जमा करने के लिए 31 मार्च तक वक्त मांगा है। इस संबंध में इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) ने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन जेबी महापात्र को एक ज्ञापन दिया है। आईसीएआई ने अनुरोध किया है कि आकलन वर्ष 2021-22 के लिए 31 मार्च 2022 तक कर ऑडिट रिपोर्ट और अन्य रिपोर्ट, प्रमाणपत्र दाखिल करने के लिए जुर्माना माफ किया जाना चाहिए। आकलन वर्ष 2021-22 के लिए ऑडिट रिपोर्ट जमा करने की अंतिम तारीख 15 जनवरी है। आईसीएआई ने कहा कि महामारी के कारण ऑडिट रिपोर्ट तैयार

करने के लिए आंकड़ों को अंतिम रूप देने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। फॉर्म नंबर 3सीईबी की गैर-मौजूदगी और 10सी तथा 10बी जैसे फॉर्म भरने में कठिनाइयां अभी भी जारी हैं।

फाइनल चरण से वीडियो असिस्टेंट रैफरी (वीएआर) तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। 30 जनवरी के बाद होने वाले मैचों में वीएआर पहली बार उपयोग में लायी जाएगी। इसका इस्तेमाल छह फरवरी को होने वाले फाइनल में भी किया जायेगा। इस तकनीक को शुरु करने के लिए तैयारियां जारी हैं। मैच के दिन स्टेडियम के अलावा रैफरियों के ट्रेनिंग स्थान पर भी इसी तरह का वीएआर 'सेटअप' लगाया जाएगा जबकि 'सिम्यूलेटरर्स' रैफरियों को होटल में भी मिल जाएंगे। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने कहा कि एएफसी रैफरिंग के उच्चतम मानक तय करने में लगा है, इसलिये वीएआर को पेश किये जाने से पहले ट्रेनिंग स्थलों और स्टेडियमों में कई तकनीकी परीक्षण किये जा रहे हैं। टूर्नामेंट के दौरान छह वीडियो मैच अधिकारी सात अलग लाइव कैमरा फीड देख पायेंगे। वीएआर गोल, पेनल्टी के अलावा खिलाड़ी को कौनसा कार्ड दिखाना है ये भी तय करेगा।

मुझे किसी के सामने खुद को साबित करने की जरूरत नहीं है: विराट कोहली

केपटाउन ।

भारतीय टेस्ट कप्तान विराट कोहली दो से ज्यादा समय से शतकीय पारी नहीं पाए हैं। ऐसे में समय-समय पर उनकी को लेकर सवाल खड़े होते रहे हैं। अब ली ने ऐसे लोगों को जवाब दिया है और कहा है कि उन्हें किसी के सामने खुद को साबित करने की जरूरत नहीं है और वह अपनी प्रक्रियाओं का पालन करके खुश हैं। कोहली पीठ के ऊपरी हिस्से में ऐंठन के कारण दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाए थे, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टेस्ट में वह कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। कोहली ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह पहली बार नहीं है। वास्तविकता से दूर न हों, यह मेरे करियर में कई बार हुआ है। 2014 में इंग्लैंड उन चरणों में से एक था। बात यह है कि मैं खुद को उस लेंस से नहीं देखता हूं जो बाहरी दुनिया मुझे देखती है। जिन मानकों के साथ मेरी तुलना की गई है, वे मेरे द्वारा निर्धारित किए गए हैं। इसलिए बाहर से कोई घटना नहीं हैं। किसी और से ज्यादा मुझे सबसे अच्छा काम करने और नियमित रूप से प्रदर्शन करने के लिए बहुत गर्व है। टेस्ट में 27 शतक बनाने वाले कोहली ने कहा कि खेल में कभी-कभी चीजें वैसी नहीं होती जैसी आप चाहते हैं लेकिन एक खिलाड़ी और बल्लेबाज के रूप में मैं पिछले कैलेंडर वर्ष में बहुत महत्वपूर्ण क्षणों और साझेदारियों में शामिल रहा हूं। आखिरकार कई टेस्ट मैचों में वे क्षण हमारे लिए महत्वपूर्ण रहे हैं। कभी-कभी आपका केंद्र बिंदु बदलता है यदि आप संख्याओं और मील के पत्थर के आधार पर खुद को देखते और देखते रहते हैं तो आप जो कुछ भी कर रहे हैं उससे आप कभी खुश या संतुष्ट नहीं होंगे। उन्होंने आगे एक बल्लेबाज के रूप में अपने मन की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी दी। कोहली ने कहा कि मैं जिस प्रक्रिया का पालन कर रहा हूं, उस पर मैं बहुत गर्व और खुशी लेता हूं। मैं जिस तरह से खेल रहा हूं और एक मुश्किल परिदृश्य में टीम के लिए क्या करने में सक्षम हूं, मैं शांति में हूं। मुझे बहुत गर्व है और उन क्षणों में रहने के लिए प्रेरणा और चिंता की कोई बात नहीं है क्योंकि आप टीम में प्रभावशाली प्रदर्शन छोड़ना चाहते हैं और मेरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास हमेशा ऐसा करना है। मुझे सच में विश्वास है कि मुझे किसी के सामने खुद को साबित करने की आवश्यकता नहीं है। जब आप आप इस स्थिति में हैं कि आपको बाहरी दुनिया द्वारा आंका जाएगा जो उनका काम है। मैं खुद को इस तरह नहीं देखता।

रंग दे बसंती फेम एक्टर सिद्धार्थ को मंहगा पड़ा साइ नेहवाल पर ट्वीट करना, महिला आयोग एक्शन मे

नई दिल्ली।

शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में 'गंभीर चूक' के मुद्दे को लेकर उन्होंने चिंता व्यक्त की थी जिस पर अभिनेता सिद्धार्थ की भद्दी टिप्पणी को देखना अच्छा नहीं था और वह टिप्पणी के लिए 'बेहतर शब्दों' का इस्तेमाल कर सकते थे। सिद्धार्थ की साइना की ट्वीट पर टिप्पणी की इतनी आलोचना हो रही है कि राष्ट्रीय महिला आयोग ने ट्विटर से इस अभिनेता के अकाउंट को तुरंत ब्लॉक करने की मांग की। साइना भाजपा सदस्य हैं, उन्होंने एक बयान में कहा कि हां, मुझे नहीं पता कि उसका क्या मतलब था। मैं अभिनेता के तौर पर उसे पसंद करती थी लेकिन यह अच्छा नहीं था। वह बेहतर शब्दों से खुद को बयां कर सकता था लेकिन मुझे लगता है कि यह ट्विटर है जिस पर इस तरह के शब्दों और टिप्पणियों से आप हमेशा ध्यान आकर्षित करते हैं। उन्होंने कहा कि अगर भारत के प्रधानमंत्री की सुरक्षा एक तो मुझे नहीं पता कि देश सुरक्षित है। महिला आयोग कि इस मामले को गंभीरता हुए रेखा शर्मा ने 'ट्विटर के स्थानीय शिकायत अधिक पत्र लिखकर कहा है कि का ट्विटर अकाउंट त ब्लॉक किया जाए।

ा बार्टी ने सिडनी टूर्नामेंट से नाम वापिस या, सीधे मेलबर्न रवाना

लेड ।

एडीलेड नेशनल में एकल युगल दोनों ताब जीतने के शीर्ष रैंकिंग ी ऐश बार्टी ने डनी टेनिस ासिक से नाम पस ले लिया। वह आस्ट्रेलियाई ओपन के लिए सीधे मेलबर्न जाएंगी। एडीलेड से मेलबर्न जाना वैसे भी आसान है और 17 जनवरी से शुरू हो रहे के पहले ग्रैंडस्लैम में वह तरोताजा रहकर उतरना चाहती है। उन्होंने वार को कहा कि यह असाधारण सप्ताह रहा है। हमने कई एकल युगल मैच खेले और कोर्ट पर काफी समय बिताया। आस्ट्रेलिया न के लिए तैयारी अच्छी है। बार्टी ने एलेना रिबाकिना को 6-3, 6- हराकर एडीलेड इंटरनेशनल एकल खिताब जीता। युगल में उन्होंने सैंडर्स के साथ मिलकर खिताब अपने नाम किया। मेलबर्न में एक टूर्नामेंट में चोटी के खिलाड़ी रफेल नडाल ने अमेरिका के मैक्सिम ो को 7-6, 6 -3 से मात दी। दूसरी वरीयता प्राप्त सिमोना हालेप ने नेका कुडेरमेटोवा को 6-2, 6-3 से हराकर खिताब जीता। एडीलेड नेशनल पुरूष फाइनल में गाएल मोंफिल्स ने कारेन खाचानोव को 6-6-4 से हराया।

दक्षिण अफ्रीका में पहली बार टेस्ट सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

केपटाउन ।

भारतीय क्रिकेट टीम मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के तीसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत के इरादे से मैदान में उतरेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस तीसरे मैच को जीतकर दक्षिण अफ्रीका में पहली बार टेस्ट सीरीज जीतना रहेगा। अभी तक दोनो ही टीम 1-1 से इस सीरीज में बराबरी पर हैं। पहले टेस्ट में जहां भारतीय टीम जीती थी , वहीं दूसरे टेस्ट में मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने जीत दर्ज कर सीरीज बराबरी पर ला दी थी। इस मैच में जीत के लिए दोनो ही टीम पूरी ताकत से उतरेंगी। भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली की मैच में वापसी की उम्मीदें हैं। विराट पीठ दर्द के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर थे। जिस प्रकार से विराट ने रविवार को हुए अभ्यास सत्र में भाग लिया उससे उनका खेलना तय माना जा रहा है। भारतीय टीम के युवा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज चोट के कारण बाहर हैं, ऐसे में उनकी जगह पर अनुभवी उमेश यादव या इशांत शर्मा में से किसी एक को खेलने का अवसर मिलेगा। विराट अपने 99वां टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन कर आलोचकों को करारा जवाब देना चाहेंगे। अपने प्रदर्शन को लेकर वह पिछले कुछ समय से प्रशंसकों के निशाने पर रहे हैं। विराट पिछले दो साल से शतक नहीं लगा पाये हैं। वह कमी भी वह यहां पूरी करना चाहेंगे। जिस प्रकार मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट में खेला है उसको देखते हुए भारतीय टीम के लिए यह मैच आसान नहीं रहेगा। इसमें जीत के लिए भारतीय बल्लेबाजों के साथ ही गेंदबाजों को भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

कोहली के अलाव चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे को भी इस मैच में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। पुजारा और रहाणे का प्रदर्शन लगातार खराब रहा है और उन्हें अपने को साबित करने एक और अवसर मिला है। विराट की वापसी से युवा बल्लेबाज हनुमा बिहार को बाहर बैठना पड़ेगा। जोहानिसबर्ग में दो संघर्षपूर्ण पारियों, विशेषकर दूसरी पारी में नाबाद 40 रन बनाने के बाद हनुमा के लिए यह निराशा की बात होगी। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को भी इस मैच में रन बनाने होंगे। इस सीरीज में अबतक वह विफल रहे हैं।

इस बल्लेबाज ने हाल के महीनों में तेज गेंदबाजों के खिलाफ आगे बढ़कर खेलते हुए आक्रामकता दिखाई है पर इसका उन्हें अधिक फायदा नहीं मिला है।

संक्षिप्त समाचार

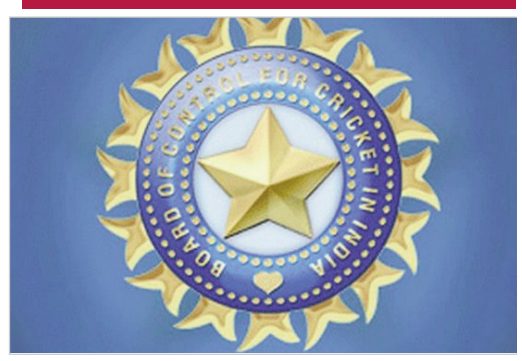

बीसीसीआई ने कूच बिहार ट्रॉफी के नॉकआउट चरण को रोका

मुंबई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अंडर-19 कूच ट्रॉफी के नॉकआउट चरण के मैचों को सोमवार को स्थगित दिया। बीसीसीआई ने दो टीमों के बीच कोरोना संक्रमण के म पाए जाने के बाद यह कदम उठाया है। पुणे में मंगलवार से शुरू वाले नॉकआउट मैचों से पहले भी आठ टीमों में करीब संक्रमित मिले थे। बीसीसीआई ने अपने एक बयान में कहा सभी की सेहत की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुणे में होने नॉकआउट चरण के मैचों को रोक दिया गया है। बीसीसीआ इससे पहले लीग चरण में 20 स्थानों पर 93 मैचों का आय किया था। साथ ही कहा है कि बीसीसीआई स्थिति की समीक्षा रहा है और संक्रमण के हालात सुधरने पर नए सिरे से काय बनाया जाएगा। इससे पहले बीसीसीआई ने कोरोना संक्रमण के कारण ही रणजी ट्रॉफी सहित सभी घरेलू टूर्नामेंटों को स्थगित दिया था।

ईसीबी बो बदलना होगा कप्तान - पोंटिंग

सिडनी । एशेज क्रिकेट सीरीज में इंग्लैंड टीम के खराब प्र को देखते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने है कि टीम को कप्तानी में बदलाव करना होगा। पोंटिंग ने कह जो रुट की जगह पर बेन स्टोक्स को कप्तान बना देना चा पोंटिंग के अनुसार स्टोक्स में नेतृत्व क्षमता है। इसलिए मुझे लग कि अगर स्टोक्स को टीम की कप्तानी दे दी जाए तो वह औ बेहतर खिलाड़ी बनकर उभरेगा। इससे टीम के बाकी खिलाड़ियं भी अच्छा प्रभाव पड़ेगा। पोंटिंग ने यह भी कहा है कि रूट अगर सीरीज के बाद भी कप्तान बने रहते हैं तो यह नुकसानदेह इससे रुट का प्रभाव और भी कम होगा। साथ ही कहा कि क से रुट की बल्लेबाजी पर भी असर पड़ रहा है। अगर मैं करियर को देखूं तो मैंने कुछ साल ज्यादा खेला और संभावित से कुछ साल लंबे समय तक कप्तानी भी की। पोंटिंग ने कह इस सीरीज के बाद रूट की टेस्ट कप्तानी को लेकर इंग्लैंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) फिर विचार कर सकती है। इंग्लैंड पिछले कुछ मैचों में औसत स्तर का खेल दिखा रही है। उसे ब होने के लिए बस एक बेहतर कप्तान की जरुरत है जो पूरी टीम दोबारा बना सके। मेरा यह मतलब नहीं है कि रुट को बाहर वह एक शानदार बल्लेबाज के तौर पर टीम में रहे पर कप्तानी का उसपर नहीं डालना चाहिये।

ऑस्ट्रेलियाई जज ने बहाल किया नोवाक जोकोविच का वीजा

मेलबर्न।

ऑस्ट्रेलिया के एक जज ने या के नंबर एक टेनिस ाड़ी नोवाक जोकाविच का ा बहाल कर दिया है जो ना टीका नहीं लगाने के कारण ले सप्ताह उनके यहां पहुंचते ही कर दिया गया था। सर्किट कोर्ट जज एंथोनी केली ने सरकार को आदेश दिया कि फैसले के 30 मिनट के भीतर जोकोविच को मेलबर्न के पृथकवास होटल से बाहर किया जाए। सरकारी वकील क्रिस्टोफर ट्रान ने जज को बताया कि आव्रजन, नागरिकता, आप्रववास सेवा और बहुसांस्कृतिक विभाग के मंत्री एलेक्स हॉके तय करेंगे कि वीजा रद्द करने के लिए उन्हें निजी अधिकार का इस्तेमाल करना है या नहीं। इसके मायने हैं कि जोकोविच को फिर निर्वासन झेलना पड़ सकता है और वह 17 जनवरी से शुरू हो रहे आस्ट्रेलियाई ओपन से बाहर हो सकते हैं। जोकोविच ने अपने निर्वासन और वीजा रद्द किए जाने को ऑस्ट्रेलिया के फेडरल सर्किट और फैमिली कोर्ट में चुनौती दी थी। ऑस्ट्रेलिया सरकार ने बुधवार को मेलबर्न पहुंचते ही उनका वीजा रद्द कर दिया था क्योंकि कोरोना टीकाकरण नियमों में मेडिकल छूट पाने के मानदंडों पर वह खरे नहीं उतरते थे। जोकोविच ने कहा कि उन्हें टीकाकरण का सबूत देने की जरूरत नहीं है क्योंकि उनके पास सबूत है कि वह पिछले महीने कोरोना संक्रमण का शिकार हुए थे। अदालत में पेश जोकोविच के दस्तावेजों में कहा गया है कि उन्होंने टीका नहीं लगवाया है। ऑस्ट्रेलिया के चिकित्सा विभाग ने छह महीने के भीतर कोरोना संक्रमण के शिकार लोगों को टीकाकरण में अस्थाई छूट दी है। सर्किट कोर्ट के जज केली ने पाया कि जोकोविच ने मेलबर्न हवाई अड्डे पर अधिकारियों को टेनिस ऑस्ट्रेलिया द्वारा उन्हें दी गई मेडिकल छूट के दस्तावेज सौंपे थे। जज ने जोकोविच के वकील निक वुड से पूछा, 'सवाल यह है कि वह और क्या कर सकते थे।'जोकोविच के वकील ने स्वीकार किया कि वह और कुछ नहीं कर सकते थे।

पावर लिफ्टिंग नैशनल में कश्मीर की आरिफा बिलाल ने जीता गोल्ड

जालन्धर ।

जम्मू-कश्मीर की पहली महिला पावर लिफ्टर अरिफा बिलाल ने पावर लिफ्टिंग नैशनल में 3 और स्वर्ण पदक जीते हैं। अरिफा स्के मार्शल आर्ट में ब्लैक बैल्ट हैं। इस गेम में वह पांच स्वर्ण तो वॉलीबॉल में एक स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। वह मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में पहली महिला जिम ट्रेनर भी हैं। पावरलिफ्टिंग की चैम्पियनशिप हरियाणा में हुई थी। कश्मीर की लड़कियों के लिए प्रेरणा और रोल मॉडल आरिफा बिलाल अब कश्मीर की लड़कियों को खेलों में सक्रिय होने और दुनिया के सामने अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए आगे ला रही हैं। महिला सशक्तिकरण के इरादे से आरिफा ने कई लड़कियों को खेलों की ओर प्रेरित किया है। उन्हें आम तौर पर इलाके में कश्मीर की आयरन लेडी के रूप में जाना जाता है। आरिफा ने एक साक्षात्कार में गैर-सरकारी संगठन जम्मू और कश्मीर युवा विकास मंच की भूमिका की सराहना की, जो उसे और कश्मीर की अन्य लड़कियों को उत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संगठन कश्मीर की लड़कियों के लिए आशा की किरण लेकर आया है। इससे महिलाओं को सिर ऊंचा कर जिंदगी जीने में मदद मिली है। अरिफा की मां हबला बानो ने कहा कि बेटी की उपलब्धि ने उन्हें गौरवान्वित किया है। बता दें कि आरिफा की तरह तजमुल इस्लाम, फिजा नजीर और कश्मीर के हर नुक्कड़ से लड़कियों आगे निकलकर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कश्मीर का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने हाल ही में कहा था कि खेलों में उपलब्धियां हासिल करने वालों को सरकारी नौकरी दी जाएगी। इसके बाद से कश्मीर के अधिक से अधिक युवा खेल मैदान की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

24 से 27 मार्च तक होगा डीजीसी ओपन गोल्फ

ई दिल्ली । अगले साल यहां 24 से 27 मार्च तक होने वाले पांच लाख डॉलर इनामी राशि वाले डीजीसी ओपन के साथ ही देश में करीब ढाई साल एशियाई टूर के मुकाबले खेले जाएंगे। कोरोना संक्रमण के कारण ये अब तक नहीं हुए थे। इस टूर्नामेंट का आयोजन नये लोधी कोर्स पर किया गा। यह नया टूर्नामेंट 2022 एशियाई टूर कैलेंडर के सत्र के शुरुआती हिस्से के मुख्य टूर्नामेंटों में से एक होगा। दिल्ली गोल्फ क्लब के अध्यक्ष जीत सिंह ने कहा कि डीजीसी ओपन नया टूर्नामेंट है जिसे गैरी प्लेयर द्वारा डिजाइन नये कोर्स पर खेला जाएगा। यह इससे जुड़े सभी लोगों के लिए शुरुआत होगी। उन्होंने कहा कि इस टूर्नामेंट से भारत में अंतरराष्ट्रीय गोल्फ टूर्नामेंट की वापसी में दिल्ली गोल्फ क्लब को अहम भूमिका निभाने का सर मिला है। गौरतलब है कि भारत में पिछली एशियाई टूर प्रतियोगिता का आयोजन नवंबर 2019 में पैनासोनिक ओपन इंडिया के रूप में किया था। यही टूर्नामेंट अक्टूबर 2018 में दिल्ली गोल्फ क्लब में हुई एशियाई टूर की पिछली प्रतियोगिता थी। इस टूर्नामेंट में कविड-19 के सभी नियमों पालन भी किया जाएगा।

विशिष्ट सलामी बल्लेबाजों की श्रेणी में पहुंचे न्यूजीलैंड के टॉम लाथम

क्राइस्टचर्च।

न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज म लाथम ने बंगलादेश के लाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के रे दिन सोमवार को 252 रन शानदार पारी खेलकर अपना कुछ विशिष्ट सलामी बल्लेबाजों श्रेणी में दर्ज करा लिया है। ट क्रिकेट में सलामी बल्लेबाज तौर पर सिर्फ वीरेंद्र सहवाग के 250+ की दो से अधिक ल चार पारियां हैं। सनत के नाम सलामी बल्लेबाज के तौर पर 250+ की दो पारियां हैं। अब लाथम ने भी इस सूची में अपना नाम लिखवा लिया है। लेथम का 252 बंगलादेश के खिलाफ टेस्ट मैचों में चौथा सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर है। कुमार संगकारा, बंगलादेश के खिलाफ एकमात्र तिहरे शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2014 के चट्टोग्राम टेस्ट में 319 रन बनाए थे। वहीं रामनरेश सरवन के नाम किंग्सटन, 2004 में नाबाद 261 रन बनाने बंगलादेश के खिलाफ 260 रन की पारी खेली थी। यह किसी भी कीवी कप्तान का ओपनिंग करते हुए सर्वाधिक स्कोर भी है। उन्होंने 1968 में भारत के खिलाफ़ बनाए गए ग्राहम डॉउलिंग के 239 रनों का रिकॉर्ड तोड़ा। यह न्यूजीलैंड के किसी भी कप्तान का पांचवां सर्वाधिक टेस्ट स्कोर भी है। इसके अलावा वह दुनिया के सिर्फ छह कप्तानों में भी शामिल हो गए हैं, जिनके नाम सलामी बल्लेबाज के तौर पर 250+ का स्कोर दर्ज ही बनाए हैं। वह जॉन राइट के बाद 12 शतक लगाने वाले न्यूज़ीलैंड के सिर्फ दूसरे सलामी बल्लेबाज हैं। यह न्यूजीलैंड के लिए संयुक्त रूप से चौथा सर्वाधिक भी है। डेवोन कॉन्वे ने अब तक सिर्फ़ पांच टेस्ट मैच खेले हैं और उनके नाम इन सभी टेस्ट की पहली पारी में 50 से अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड दर्ज है। दुनिया के छह बल्लेबाज पहले भी ऐसा कर चुके हैं और न्यूज़ीलैंड के बर्ट सटक्लिफ़ का

है। सुनील गावस्कर (831) और जॉर्ज हेडली (714) ही पांच टेस्ट के बाद उनसे आगे हैं। हालांकि कॉन्वे के पास अभी एक पारी बची है। बांग्लादेश के शीर्ष पांच बल्लेबाजों ने पारी में सिर्फ 19 रन बनाए, जो कि संयुक्त रूप से सबसे कम है। 2001 में जिम्बाब्वे

इंडिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हुए प्रणीत

नई दिल्ली ।

भारतीय बैडमिंटन टीम के पुरुष एकल वर्ग के खिलाड़ी बी साई प्रणीत कोरोना संक्रमित पाये जाने के कारण मंगलवार से यहां शुरु हो रहे इंडिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गये हैं। प्रणीत ने कहा, 'हां, आरटी पीसीआर जांच में मुझे कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाया गया है। मुझे कल से जुकाम और खांसी थी। मैं घर पर ही पृथकवास पर हूं।' उन्होंने कहा, 'मुझे फिर से परीक्षण करवाने से पहले कम से कम एक सप्ताह तक प्रतीक्षा करनी होगी। मुझे उम्मीद है कि मैं जल्दी से कोर्ट पर करुंगा।'वहीं भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के महासचिव अजय सिंघानिया ने भी कहा है कि संक्रमित होने के कारण इस इंडिया ओपन से बाहर हो गए हैं। वहीं भारत के ही एक अन्य युगल खिला रावत का दिल्ली रवाना होने से पहले परीक्षण पॉजिटिव आया था। इस करण वह भी इस टूर्नामेंट में नहीं

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ब्लीच करवाती है तो इन बातों का भी रखें ख्याल

आमतौर पर महिलाएं व लड़कियां अपनी त्वचा की रंगत निखारने के लिए पार्लर में ब्लीच करवाती है या कई बार घर पर खुद ही करती है। अगर आप भी घर पर खुद से ब्लीच करती हैं तो ये 10 बातें आपको जरूर जानना चाहिए –

- चेहरे को साफ–सुथरा व कांतिमय बनाने के लिए 'ब्लीच' एक बेहतर विकल्प है। ब्लीच आपकी त्वचा के अनचाहे बालों को छिपाने के साथ ही त्वचा में सोने सा निखार भी लाता है।
- ब्लीच का इस्तेमाल हाथ, पैर व पेट पर भी वेक्स के विकल्प के रूप में किया जा सकता है।
- ध्यान रहे ब्लीच में अमोनिया की मात्रा निर्देशानुसार ही मिलाए। इसमें अमोनिया की अधिक मात्रा आपके चेहरे को नुकसान पहुंचा सकती है।
- इसे लगाते समय बस इस बात का जरूर ध्यान रखें कि यदि यह आंखों के ऊपर लग गया तो बहुत अधिक नुकसानदेह हो सकता है। बेहतर होगा कि आप इसे आंखों व आई ब्रो पर नहीं लगाएं।
- आजकल बाजार में कई प्रकार की कंपनियों के ब्लीच उपलब्ध हैं, जिनके ट्रायल पैक का इस्तेमाल कर आप उन्हें अपनी स्कीन पर आजमा सकती है।
- बॉक्स पर दिए गए निर्देशानुसार ही ब्लीच क्रीम में अमोनिया पावडर की मात्रा डालें।
- क्रीम और पावडर के इस मिश्रण को पहले कोहनी पर या अन्य जगह पर लगाकर देखें।
- त्वचा में अधिक जलन होने पर मिश्रण में क्रीम की मात्रा बढ़ाएं।
- हमेशा ब्रांडेड कंपनी का ही ब्लीच इस्तेमाल करें।

सिर्फ 5 मिनट में मिटेगी सिर की खुजली, स्कैल्प में लगाएं ये नैचरल हर्ब

अगर आपके सिर में बहुत खुजली हो रही है और इस कारण डैंड्रफ भी परेशान कर रहा है तो आपको कहीं बाहर जाने की जरूरत नहीं है। बल्कि अपना फ्रिज खोलकर चुटकियों में इस समस्या का समाधान कर सकते हैं.

- सिर की खुजली एक आम समस्या है। हर मौसम में अलग–अलग कारणों से यह समस्या परेशान कर सकती है। यदि आप भी इसका सामान कर रहे हैं तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। बल्कि आप यहां बताए गए तरीके से सिर्फ 5 मिनट में अपने सिर की खुजली से राहत पा सकते हैं।
- यह तरीका अपनाने के लिए आपको चाहिए एक नींबू और दो चम्मच सादा पानी (मिनरल वॉटर होगा तो और भी अच्छा रहेगा)। इसके बाद इन दोनों को मिलाकर अपने बालों की स्कैल्प में लगाना है। कैसे लगाना है और कितनी देर लगाना, इस बारे में यहां जानें.
- सबसे पहले आप 1 नींबू लेकर उसे काट लें और उसका रस निकाल लें। नींबू का रस निकालते समय आप कटोरी के ऊपर छलनी रखकर इसे निचोड़ें ताकि इसके रेशे और बीज, रस के साथ मिक्स ना रहें और छलनी में ही अलग हो जाएं।
- अब आप इस रस में दो चम्मच पानी मिला लें। यदि आपके बाल लंबे हैं तो आप दो नींबू ले सकते हैं और इसमें 4 चम्मच पानी मिला सकते हैं। नींबू और पानी के घोल को तैयार करने के बाद इसमें एक चम्मच गुलाबजल मिला लें।
- नींबू, पानी और गुलाबजल के मिश्रण को मुख्य रूप से बालों की जड़ों में लगाना है। ताकि आपके सिर की खुजली को शांत किया जा सके और डैंड्रफ को दूर किया जा सके। सिर की त्वचा में इस मिश्रण को लगाने के लिए आप आधे नींबू का वो छिलका लें, जिससे आपने रस निचोड़ा है।
- अब इस छिलके को तैयार मिश्रण में डुबोकर अपने बालों की जड़ों में हल्के हाथों से रगड़ते हुए लगाएं। आपको धीरे–धीरे यह काम करना है ताकि आपकी त्वचा इस लिक्विड को सोख सके और यह बहते हुए आपके चेहरे और गर्दन पर ना आए।
- इस मिश्रण को पूरे सिर में लगाने के बाद बालों की लंबाई में भी लगाएं। इसके बाद बालों को बांध लें और करीब आधा घंटा के लिए इसे ऐसे ही लगा रहने दें। जब आप इस मिश्रण को बालों में लगा रहे होंगे, आपकी खुजली तभी शांत होती जाएगी।
- हो सकता है कि सिर की त्वचा में हल्की–सी झनझनाहट हो, लेकिन यह 2 से 3 मिनट में ही ठीक हो जाएगी। आपको आधा घंटे के लिए यह मास्क लगाने के लिए इसलिए कहा जा रहा है ताकि आपके सिर से डैंड्रफ भी पूरी तरह गायब हो जाए।
- यदि आपको डैंड्रफ की समस्या नहीं है तो पूरे सिर में नींबू लगाने के 5 मिनट बाद भी आप अपने बालों को हर्बल शैंपू से धो सकते हैं। बस इस बात का ध्यान रखें कि शैंपू करने के लिए जिस पानी का उपयोग करें, वह निमाया (बहुत हल्का–सा गर्म) होना चाहिए। ताकि सर्दी के मौसम में आपको जुकाम ना हो।
- इस बात का ध्यान रखें कि नींबू बालों के लिए बहुत अधिक लाभकारी होता है लेकिन इसका बहुत अधिक उपयोग करने से बालों में रूखापन बढ़ सकता है। इसलिए यदि आप सप्ताह में एक सो दो बार बालों में नींबू लगाते हैं तो यह पर्याप्त है। इससे अधिक बालों में नींबू का उपयोग करने से रूखापन बढ़ सकता है।
- नींबू के रस में साइट्रिक एसिड और विटमिन–सी पाए जाते हैं। साथ ही नींबू का रस ऐंटिबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है। यह सिर में खुजली करनेवाले बैक्टीरिया और फंगी इत्यादि को दूर करता है। स्कैल्प की गहरी सफाई करता है।
- गुलाबजल सिर में हो रही जलन और खुजली को शांत करने में सहायता करता है। यह सिर की त्वचा को टोन करता है और बालों की जड़ों में नमी को ब्लॉक करने में मदद करता है। ताकि सिर में डैंड्रफ ना आए।

टीकाकरण कार्ड को अप–टू–डेट रखना प्रत्येक माता–पिता के लिए क्यों जरूरी है

बतौर माता–पिता अपने बच्चे को पूरी तरह से सुरक्षा देने के लिए प्रथम चरण के टीकाकरण को प्राथमिकता देना जरूरी है। जीवन के प्रारंभिक वर्षों के दौरान, बच्चों की प्रतिरक्षा प्रणाली लगातार विकसित हो रही होती है, जो उन्हें बहुत सारी बीमारियों के प्रति अतिसंवेदनशील बनाती है। सही टीकाकरण करके बच्चों को एक दर्जन से अधिक गंभीर बीमारियों से बचाया जा सकता है। वास्तव में, अप–टू–डेट टीकाकरण न केवल बच्चे के लिए, बल्कि उन सभी के लिए महत्वपूर्ण है, जो नियमित रूप से उसके आसपास रहते हैं।

टीकाकरण का ध्यान रखना

आपके बच्चे के अधिकांश टीकाकरण जन्म और 6 साल के बीच पूरे होते हैं। कई टीके अलग–अलग उम्र में, और कॉम्बिनेशन में एक से अधिक बार दिए जाते हैं। इसका मतलब है कि आपको अपने बच्चे के हर टीके का सावधानीपूर्वक रिकॉर्ड रखना होगा। यद्यपि कभी–कभी आपका डॉक्टर / अस्पताल भी नजर रखेगा, लोग शहरों / डॉक्टरों को बदलते हैं, रिकॉर्ड खो जाते हैं, और इसलिए आपके बच्चे के टीकाकरण पर नजर रखने के लिए अंतत : जिम्मेदार व्यक्ति आप ही हैं।

टीकाकरण कार्ड बच्चे के अच्छे स्वास्थ्य का पासपोर्ट

टीकाकरण की प्रक्रिया को सरल बनाने और माता–पिता को अपने बच्चे के टीकाकरण का ट्रैक रखने में मदद करने के लिए, टीकाकरण कार्ड होना जरूरी है। दुनिया भर के बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा व्यापक रूप से रेकमेंडेड टीकाकरण कार्ड उपयोगी स्वास्थ्य रिकॉर्ड है, जिसमें टीकाकरण की तारीखों और खुराक के बारे में जानकारी शामिल होती है। अक्सर, माता–पिता टीकाकरण के महत्व के बारे में जानते हैं, लेकिन एक उचित रिकॉर्ड की कमी के कारण महत्वपूर्ण टीकाकरण छूट जाते हैं। इस जगह पर टीकाकरण कार्ड एक संगठनात्मक दस्तावेज के रूप में काम आता है, जिसमें सभी प्रकार का डेटा एक ही स्थान पर रखा जाता है, ताकि माता–पिता अपने बच्चे के स्वास्थ्य पर नजर रख सकें। अपने बच्चे के टीकाकरण कार्ड के बारे में सोचें और इसे अपने अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ संभालकर रखें। आप यहां से आसानी से पढ़ा जाने वाला टीकाकरण कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं।

टीकाकरण कार्ड इतना महत्वपूर्ण क्यों है

रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) की सिफारिश है कि बच्चों को टीकाकरण कार्ड में उल्लिखित अनुसूची के अनुसार टीका लगाया जाना चाहिए। यह बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा रेकमेंडेड है, ताकि बच्चों में समय पर ढंग से रोग प्रतिरोधक क्षमता का निर्माण किया जा सके, जो जानलेवा बीमारियों में बदल सकता है। जब बच्चे एक विशेष उम्र तक पहुंच जाते हैं, तो वे कुछ बीमारियों के प्रति अतिसंवेदनशील हो जाते हैं। तो इसलिए एक सारणी का पालन करना आवश्यक है, जो सुरक्षित और विज्ञान पर आधारित हो। इसके अलावा यह बार–बार बच्चे को हेल्थ केयर प्रोवाइडर के पास ले जाने से भी बचाता है और मां को उसके बच्चे के स्वास्थ्य पर नियंत्रण की समझ भी देता है। उम्र के हिसाब से टीकाकरण आम तौर पर माता–पिता पहले वर्ष के टीकाकरण का विवेकपूर्ण तरीके से पालन करते हैं और जैसे–जैसे उनका बच्चा बढ़ता है, वैसे–वैसे वे आगामी टीकाकरण के प्रति लापरवाही बरतने लगते हैं। बच्चे के जीवन में पहले पांच साल उनकी वैक्सीनेशन जर्नी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और टीके नीचे दिए गए हैं :

जन्म पर :
बीसीजी (टूबर्क्यूलोसस), हेपेटाइटिस बी ओपीवी (ओरल पोलियो वैक्सीन)

6 सप्ताह से 6 महीने के बीच :
डीटीपी, हिब, हेप–बी, आईपीवी
पीसीवी (न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीन)
रोटावायरस

6–12 महीनों के बीच :
इन्फ्लुएंजा (5 वर्ष तक के बच्चों के लिए अनुशंसित)
एमएमआर (खसरा, गलसुआ और रूबेला)
टाइफाइड, मेनिंगोकोक्सल

1–2 साल के बीच :
हेपेटाइटिस–ए, चिकनपॉक्स, डीटीपी, हिब, आईपीवी
न्यूमोकोकल, एमएमआर

2–6 साल के बीच :
मेनिंगोकोक्सल, एमएमआर, डीटीपी, आईपीवी
इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स द्वारा टीकाकरण और टीकाकरण प्रथाओं, 2020–21 की सलाहकार समिति के अनुसार अनुसूची विशेष स्थितियों के लिए
डीटीपी : डिप्थीरिया, टेटनस, पर्टुसिस ; हिब : हेमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप बी ; हेप–बी : हेपेटाइटिस बी ; आईपीवी : इंजेक्शन पोलियो वैक्सीन

नए बच्चे का जीवन में आना हर मां-बाप के लिए एक रोमांचक समय होता है। चाहे वह नवजात शिशु को अपनी बाहों में उठाना हो या फिर बच्चे की जरूरतों के इर्द-गिर्द अपने जीवन को व्यवस्थित करना हो, पितृत्व की खुशियां किसी से कम नहीं होतीं। इस उत्साह के बीच, माता-पिता अक्सर उन जिम्मेदारियों का सामना करते हुए दिखते हैं, जिनके लिए वे तैयार ही नहीं थे। बच्चों की बहुत सारी जरूरतें होती हैं, खासकर तब जब उनके स्वास्थ्य की बात आती है। कई माता-पिता टीकाकरण की योजना बनाते समय अनिश्चितता में रहते हैं। जब आप पहली बार माता-पिता बनते हैं, तो शिशु का टीकाकरण अपरिहार्य यानी बेहद जरूरी- सा लगता है।

टीकाकरण कार्ड के बारे में मुख्य जानकारी

टीकाकरण कार्ड सबसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य दस्तावेज में से एक है, जो एक बच्चे का होना जरूरी है। हमेशा अपने बाल रोग विशेषज्ञ के पास जाने के दौरान इसे अपने साथ रखें। माता–पिता की जिम्मेदारी है कि जब भी वो बाल रोग विशेषज्ञ के पास जाएं, तो कार्ड को जरूर अपडेट करवाएं। इस प्रकार, माता–पिता से यदि गलती से टीकाकरण चूक जाए या फिर ड्यू रह जाए, तो वह इसके लिए तैयार रह सकते हैं। ऐसे मामलों में तत्काल कदम उठाना चाहिए और सबसे पहले बाल रोग विशेषज्ञ से अगले टीकाकरण के लिए परामर्श करना चाहिए और चीजों को नियंत्रण में रखना चाहिए। माता–पिता को अधिक तैयार रखने के लिए इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स द्वारा इम्यूनाइज इंडिया ऐप जैसी कई मुफ्त डिजिटल टीकाकरण अनुस्मारक सेवाएं (डिजिटल वैक्सीनेशन रिमांइडर सर्विस) भी हैं। टीकाकरण कार्ड को मेंटेन करने के अलावा, ये ऐप्स सुनिश्चित करते हैं कि माता–पिता अपने बच्चों के स्वास्थ्य के बारे में अधिक सक्रिय हों। जब आपके बच्चे के अच्छे स्वास्थ्य की बात आती है, तो समय पर टीकाकरण ही उसे दीर्घकालिक सुरक्षा प्रदान कर सकता है और स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी इम्यूनिटी बनाने में मदद कर सकता है।

सार समाचार

भारत से प्राप्त कोच की सहायता से श्रीलंका में ट्रेन सेवा की शुरूआत की गयी

कोलंबो। श्रीलंका ने भारत से प्राप्त डीजल मल्टीपल यूनिट के इस्तेमाल से, रविवार को एक इंटर-सिटी ट्रेन सेवा की शुरूआत की। यह ट्रेन सेवा राजधानी कोलंबो को जाफना प्रायद्वीप के उत्तरी छोर कांकेसंथुराई से जोड़ेगी जहां तमिल बहुल जनसंख्या है। श्रीलंका में भारतीय उच्चायोग ने ट्वीट किया, 'श्रीलंका की रेलवे अवसंरचना को शक्ति प्रदान करने के लिए आज नॉर्दर्न प्रॉविंस के लिए ट्रेन सेवा की शुरूआत की गई। इसमें भारत के साथ विकास की साझेदारी के दो स्तम्भ परिलक्षित होते हैं- अवसंरचना विकास और देशव्यापी केंद्रित होना।' उद्घाटन समारोह में श्रीलंका के परिवहन मंत्री पी. वन्नियाराच्चि और भारत के उप उच्चायुक्त विनोद के. जैकब मौजूद थे।

मुरी मामले पर मंत्री का बेतुका बयान, बर्फ का स्प्रे खरीद लें और घर में ही एक-दूसरे के ऊपर छिड़क लें

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी पर्यटन स्थल मुरी में भीषण बर्फबारी में 10 मासूमों सहित 23 पर्यटकों की ऑक्सीजन, खाने और पानी की कमी से मौत के बाद इमरान प्रशासन पर सवाल उठ रहे हैं। लोग हादसे के लिए इमरान सरकार को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। इस बीच हादसे पर पाकिस्तानी मंत्री दोषियों पर कार्रवाई की बजाय फिजूल की बातें कर रहे हैं । पाकिस्तान के बड़बोले सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने शर्मनाक बयान में कहा कि जो लोग बर्फ का आनंद लेना चाहते हैं, वे बर्फ का स?प्रे खरीद लें और घर में ही एक-दूसरे के ऊपर छिड़क लें।

चौधरी ने कहा 'यहां बहुत ज्यादा लोग आते हैं, इससे प्रशासन खुद को असहाय महसूस करता है। घर में बैठे, इतना खर्च करने की बजाय स्नो स्प्रे मंगाकर एक-दूसरे के ऊपर डाल लें। लोग अपनी कामन सेंस का इस्तेमाल करें।फवाद अपने बयान के लिए सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल हो रहे हैं।फवाद ने कहा कि अप्रत्याशित बर्फबारी और रिकॉर्ड संख्या में सैलानियों के पहुंचने से स्थानीय प्रशासन के लिए स्थिति को संभालना नामुमकिन हो गया।

इस बीच मरी में भीषण बर्फबारी के कारण जान गंवाने वाले लोगों की संख्या रविवार को 23 पहुंच गई। एक बच्ची की गंभीर जुकाम और निमोनिया की वजह से मौत हो गई। उस वक्त पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जा सका। पंजाब प्रांत के रावलपिंडी के मरी शहर में बड़ी संख्या में सैलानी पहुंचे थे और इस बीच भीषण बर्फबारी हो गई जिससे गाड़ियां फंस गईं। इस घटना में 10 बच्चों सहित 23 लोगों की मौत हो गई।

कजाखस्तान हिंसा में 164 लोगों की मौत व 2200 घायल, 5800 गिरफ्तार

लंदन । कजाखस्तान में माह में शुरू से जारी हिंसा में अभी तक 18 सुरक्षाकर्मियों सहित 164 लोग मारे गए। हिंसा से सबसे ज्यादा प्रभावित रहे देश के सबसे बड़े शहर अलमाटी में 103 लोग मारे गए हैं।मारे गए लोगों में चार साल की एक बच्ची भी शामिल है। हिंसा में शामिल 5800 लोग गिरफ्तार किए हैं। देश के सभी प्रमुख स्थलों की सुरक्षा में रूसी और मित्र देशों के सैनिक तैनात किए गए हैं।राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट टोकायेव के बुलावे पर रूस के नेतृत्व वाले गठबंधन के 2500 सैनिक कजाखिस्तान आए हैं। हिंसक घटनाओं में 2200 लोग घायल हैं, 1300 सुरक्षाकर्मी भी हिंसा के शिकार हुए हैं।

अलमाटी में एक इलाके में फायरिंग की आवाज सुनी गई, लेकिन बाकी शहर में शांति रही हिंसा के दौरान बंद रहा अलमाटी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की सेवाएं सोमवार से शुरू होगी हैं। इस बीच सरकार ने सभी अधिकारियों-कर्मचारियों से अपने कार्यालय पहुंचकर कामकाज संभालने के लिए कहा है। हिंसा के दौरान कई सरकारी कार्यालयों पर उपद्रवियों ने कब्जा कर लिया था। कुछ सरकारी इमारतों में आग भी लगा दी थी। देश के पश्चिमी इलाके में दो जनवरी को लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ आंदोलन शुरू हुआ था।

इसी दौरान पूर्व राष्ट्रपति नूर सुल्तान नजरबायेव के खिलाफ भी नारेबाजी की गई। राष्ट्रपति टोकायेव ने हिंसा के लिए विदेश में प्रशिक्षित आतंकियों को जिम्मेदार ठहराया है। राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट तोकायेव के कार्यालय का कहना है कि स्थिति नियंत्रण में है। अधिकारियों ने प्रशासनिक भवनों पर फिर से नियंत्रण हासिल कर लिया है। प्रदर्शनकारियों ने इन भवनों को कब्जे में ले लिया था और इनमें से कुछ में आग लगा दी गई थी।

चीन के तिआनजिन में ओमीक्रोन मामले मिलने के बाद लगा आंशिक लॉकडाउन

बीजिंग। चीन के तिआनजिन में कोरोना के नए स्वरूप ओमीक्रोन के मामले सामने आने के बाद आंशिक लॉकडाउन लगा दिया गया है। क्षेत्र संक्रमण के स्वरूप के पहले स्थानीय प्रकोप का सामना कर रहा है, लेकिन इसकी संख्या फिलहाल कम है। यह मामले अगले महीने बीजिंग में शीत ओलंपिक खेलों की शुरूआत से पहले सामने आए हैं। चीनी सरकार ने तिआनजिन और उसकी 1.4 करोड़ आबादी को तीन हिस्सों में बांटकर पाबंदियां लगा दी हैं। इसके तहत पहले चरण में, लोगों को घरों से बाहर निकलने की बिल्कुल इजाजत नहीं है। वहीं नियंत्रित इलाकों में हर परिवार के सदस्य को राशन आदि खरीदने के लिए घर से बाहर जाने की अनुमति है, जबकि रोकथाम वाले इलाकों में लोगों को अपने क्षेत्रों के अंदर ही रहना होगा। बीजिंग के लिए बस और ट्रेन सेवा को बंद कर दिया है और शहर के लोगों को बहुत जरूरी काम होने तक शहर नहीं छोड़ने को कहा गया है। अधिकारियों ने पहले कहा था कि वायरस का प्रसार हो रहा है और मामलों की संख्या बढ़ सकती है। चीन ने चार फरवरी से शुरू हो रहे शीत ओलंपिक से पहले संक्रमण को लेकर कतई बर्दाश्त नहीं करने की रणनीति अपनाई है। वहीं तिआनजिन से काफी दूर स्थित शियान और यूझोउ शहरों में लाखों लोग अपने घरों में बंद हैं, क्योंकि वायरस के डेल्टा स्वरूप का वहां खासा प्रसार हुआ है। शियान के निवासी दो हफ्तों से ज्यादा समय से लॉकडाउन का सामना कर रहे हैं।

अमेरिका में कोरोना का विस्फोट, 6 करोड़ से ज्यादा लोग प्रभावित

वाशिंगटन। अमेरिका कोरोना के दंश को झेल ही रहा था कि नए वैरिएंट ओमिक्रोन ने भी देश में दस्तक दे दी है।अमेरिका में सोमवार तक 6 करोड़ से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके हैं। जो वैश्विक कोरोना संख्या का लगभग 20 फीसद है।बता दें, दुनिया में कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित देश अमेरिका है, वहीं दूसरे नंबर पर भारत का नाम आता है। पूरी दुनिया कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रोन के कारण एक नई लहर का सामना कर रही है। वर्तमान में सबसे बुरी तरह से प्रभावित अमेरिका में सोमवार तक 6 करोड़ से ज्यादा मामले सामने आए हैं। यूनिवर्सिटी के सेंटर फार सिस्टम साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसएसई) ने बताया कि देश में कुल कोरोना मामलों की संख्या बढ़कर 60,072,321 पहुंच गई है, वहीं वायरस से मरने वालों की संख्या 837,594 हो गई है। इसके अलावा, अगर वैक्सिनेशन की बात करें तब अमेरिका में 516,880,436 लोगों ने वैक्सीन लगवा ली है। देश में कोरोना से संक्रमित लोगों की संख्या 9 नवंबर, 2020 को 1 करोड़ तक पहुंच गई थी। ये 1 जनवरी 2021 को 2 करोड़ की संख्या को पार कर गई, जबकि 24 मार्च को 3 करोड़ से ज्यादा और 6 सितंबर को 4 करोड़ और 13 दिसंबर को 5 करोड़ से ज्यादा हो गई थी। अमेरिका में अब रोजाना औसतन 700,000 से ज्यादा नए कोरोनोवायरस मामले सामने आ रहे हैं।

उत्तरी बोस्निया में रिपब्लिक ऑफ सिरपसका परेड के दौरान मार्च करते हुए पुलिस दल के सदस्य।

म्यांमार की अदालत ने अपदस्थ नेता आंग सान सू की को 4 साल और जेल की सजा सुनाई

बैंकॉक। म्यांमार की एक अदालत ने अपदस्थ नेता आंग सान सू ची को अवैध रूप से 'वॉकी-टॉकी' आयात करने, रखने और कोरोना वायरस संबंधी पाबंदियों का उल्लंघन करने के लिए दोषी पाए जाने के बाद सोमवार को चार और साल कैद की सजा सुनाई। एक विधि अधिकारी ने यह जानकारी दी। सू ची को पिछले महीने दो अन्य मामलों में दोषी ठहराया गया था और चार साल की जेल की सजा दी गई थी, जिसे बाद में देश की सैन्य सरकार के प्रमुख ने आधा कर दिया था। सेना द्वारा पिछले साल फरवरी में म्यामा में सू ची की सरकार को बेदखल करने और सत्ता की बागडौर अपने हाथ में लेने के बाद से 76 वर्षीय नोबेल शांति पुरस्कार विजेता के खिलाफ दायर किए गए लगभग एक दर्जन मामलों में ये मामले भी शामिल हैं। सू ची के समर्थकों का कहना है कि उनके खिलाफ आरोप सेना के कार्यों को वैध बनाने और उन्हें राजनीति में लौटने से रोकने के लिए लगाए गए हैं।

किम जोंग उन की रहस्यमयी पत्नी को लेकर हुआ खुलासा, सनकी तानाशाह ने इतिहास मिटाने की भरपूर कोशिश की

पेरिस (एजेंसी)

उत्तर कोरिया के सनकी तानाशाह किम जोंग उन का जीवन वैसे तो विभिन्न किस्म के रहस्यों से भरा हुआ है। लेकिन अब उकी पत्नी के बारे में खुलासा हुआ है। अक्सर आपने किम जोंग को तस्वीरों में दो महिलाओं के साथ देखा होगा। जिसमें से एक तो उनकी बहन हैं वहीं दूसरी महिला उनकी पत्नी हैं। जिसके बारे में ज्यादा बातें अब तक सामने नहीं आई थी। लेकिन अब किम जोंग की रहस्मयी पत्नी को लेकर भी खुलासा हो गया है। सीएनएन की रिपोर्ट की माने तो किम जोंग उन की पत्नी री सोल जू उत्तर कोरिया के संभ्रांत परिवार से संबंध रखती हैं। तानाशाह किम जोंग से शादी से पहले वो एक चर्चित चीयरलीडर थीं।

किम की रहस्मयी पत्नी के बारे में खुलासा

किम जोंग उन की पत्नी का नाम री सोल जू है।साल 2005 में वो दक्षिण कोरिया में हुए एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में

चीयरलीडर टीम का हिस्सा थीं। यहीं नहीं री सोल जब करीब 20 साल की थीं तो वो उत्तर कोरिया के ओलंपिक चीयरलीडर टीम का हिस्सा थीं। अमेरिकी अखबारसीएनएन ने उत्तर कोरियाई तानाशाह की पत्नी पर कई बड़े खुलासे करते हुए कहा कि री सोल अभी करीब 30 साल की हैं और उनके तीन बच्चे हैं। वह गायिका भी रह चुकी हैं।

गुपचुप तरीके से रचाई शादी

एबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक किम जोंग उन ने साल 2009 में अपने पिता किम जोंग इल के निधनके तुरंत बाद री सोल-जू से शादी की थी। कहा जाता है कि किम ने इतने गुपचुप तरीके से शादी रचाई थी कि पश्चिमी देशों की मीडिया को इस बात की कानों-कान खबर तक नहीं हुई थी। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक री सोल के साथ शादी करने के बाद किम जोंग उन ने उनके संगीत के पुराने इतिहास को मिटाने की कोशिश की है। उनके गानों की सीडी को जब्त कर लिया है।

एक साल के कार्यकाल में बाइडन ने मीडिया से बनाये रखी दूरी

वाशिंगटन (एजेंसी)

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन महामारी पर अपने हालिया सम्बोधन के बाद एक बार फिर पत्रकारों के सवालों की झड़ी से बचते नजर आए। यह बाइडन के कार्यकाल में कोई नई बात नहीं रही, वह अपने एक साल के कार्यकाल में आमतौर पर मीडिया से बचते नजर आए हैं। पिछले दिनों बाइडन ने कोविड-19 से संबंधित रैपिड टेस्ट के अभाव के बारे में एक सवाल का जवाब दिया, उसके बाद उन्होंने ओमीक्रोन के कारण लगाये गये यात्रा प्रतिबंधों के बारे में पूछे गये प्रश्न का उत्तर दिया। उसके बाद उन्होंने तीसरे सवाल का जवाब टाल दिया। तीसरा सवाल सीनेटर जो मानचिन से संबंधित था, जिन्होंने कथित तौर पर बाइडन की सामाजिक सेवाओं और जलवायु खर्च योजना की धज्जियां उड़ा दी थी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने पश्चिमी वर्जिनिया के डेमोक्रैट सदस्य के बारे में पूछे गये सवाल का सीधा जवाब दिये बिना कहा, 'मैं अभी यह संवाददाता सम्मेलन करने वाला नहीं हूं।' कुछ सेकेंड बाद बाइडन पलटे और कमरे से बाहर चले गये। बाइडन प्रेस के साथ सीमित सम्पर्क रखते नजर आए हैं। बाइडन ने ह्वाइट हाउस में अपने कार्यकाल का पहला साल पूरा कर लिया है, लेकिन उन्होंने अपने पहले के पांच पूर्व राष्ट्रपतियों की तुलना में बहुत कम ही संवाददाता सम्मेलन किये हैं।

न्यूयॉर्क सिटी में सबसे दर्दनाक हादसा, इमारत में आग लगने से 9 मासूम बच्चों समेत 19 लोगों की जलकर मौत

न्यूयॉर्क (अमेरिका)। (एजेंसी)

न्यूयॉर्क शहर से एक बहुत ही दर्दनाक घटना सामने आयी हैं, जहां एक इमारत में आग लगने के नौ मासूम बच्चों सहित 19 लोगों की झुलसने से मौत हो गयी। हादसा बेहद की दर्दनाक था। मौके पर पहुंची दमकल की टीमों ने बड़ी ही मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया है लेकिन तब तक काफी जान-मान का नुकसान हो चुका था। यह हादसा अब तक सबसे भीषण आग हादसों में से एक बताया जा रहा हैं। जानकारी के मुताबिक न्यूयॉर्क शहर में एक अपार्टमेंट में आग लगने से 9 बच्चों सहित उन्नीस लोग मारे गए हैं, जिसे शहर के अग्निशमन आयुक्त ने इस घटना को सबसे भीषण धमाकों में से एक कहा है। मेयर एरिक एडम्स के एक वरिष्ठ सलाहकार स्टीफन रिंगेल ने रविवार को मरने वालों की संख्या की पुष्टि की। रिंगेल ने कहा कि अस्पताल में पांच दर्जन से अधिक लोग घायल लोगों को भर्ती करवाया गया है जिसमें से 13 लोगों की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। एफडीएनवाई आयुक्त डेनियल नीग्रो ने उस दोपहर पहले एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अधिकांश पीड़ित गंभीर धुएं से पीड़ित थे।

न्यूयॉर्क सिटी में इमारत में लगी भीषण आग

न्यूयॉर्क सिटी के ब्रोंक्स में एक अपार्टमेंट में कथित तौर पर एक खराब ह्यइलेक्ट्रिक स्पेस हीटरह्न के कारण भीषण आग लगने से नौ बच्चों सहित 19 लोगों की मौत हो गई। न्यूयॉर्क दमकल विभाग (एफडीएनवाय) के आयुक्त डेनियल निग्रो ने रविवार को बताया कि इमारत की दूसरी और तीसरी मंजिल आग में जलकर खाक हो गईं। मेयर एरिक एडम्स, गवर्नर कैथी होचुल और अमेरिकी सीनेटर चार्ल्स शूमर घटनास्थल पर पहुंचे। मेयर एडम्स के वरिष्ठ सलाहकार स्टीफन रिंगेल ने मरने वालों की संख्या की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले बच्चों की उम्र 16 साल या उससे कम थी।

पीएम इमरान ने छुपाई जानकारी, विपक्षी नेताओं ने मांगा इस्तीफा

पेशावर(एजेंसी)

चुनाव आयोग द्वारा विदेशी चंदे का मामला उजागर करने के बाद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के अध्यक्ष व प्रधानमंत्री इमरान खान मुसीबत में फंस गए हैं। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के अध्यक्ष शाहबाज शरीफ ने इमरान पर चोरी के आरोप लगाकर कहा कि जो व्यक्ति गलत साक्ष्य पेश करता है, उस संवैधानिक पद पर नहीं रहना चाहिए और तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए।शाहबाज ने कहा है कि रिपोर्ट के बाद इमरान सरकार द्वारा लिया गया कोई भी फैसला कानूनी और संवैधानिक रूप से सही नहीं हो सकता।

उन्होंने अन्य विपक्षी पार्टियों से अपील करते हुए कहा कि जो भी पार्टी या नेता संविधान में विश्वास रखते हैं, उन्हें अब अपनी अहम भूमिका निभानी होगी। ये की जानकारी छिपाई है। एक व्यक्ति जो गलत साक्ष्य पेश करता है, झूठ बोलता है, गलत जानकारी देता है, वहां आदमी सरकार के किसी भी संवैधानिक पद पर रहने के काबिल नहीं है। उन्होंने अपना ये बयान सोशल मीडिया पर जारी किया है। पीएमएल-एन अध्यक्ष ने कहा कि देश का संविधान की भी यही मांग है कि इमरान खान को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। पाकिस्तान के चुनाव आयोग की रिपोर्ट के सामने आने के बाद इमरान खान द्वारा लिया गया कोई भी फैसला कानूनी और संवैधानिक रूप से सही नहीं हो सकता है। चुनाव आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि इमरान ने उनकी पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ को मिले विदेशी फंड की जानकारी छुपाई है। ये चंदा हजारों या लाखों में नहीं, बल्कि करोड़ों में है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इमरान की पार्टी को 1.64 बिलियन रुपये की फंडिंग हुई है। इसमें पार्टी ने 310 मिलियन रुपये की जानकारी चुनाव आयोग से छुपाई है। साथ ही इमरान ने विदेशी चंदे वाले बैंक अकाउंट का जिक्र भी नहीं किया। बता दें कि कुछ दिनों से ये मुद्दा पाकिस्तान के राजनीतिक गलियारों में छाया हुआ है। इसकी वजह दरअसल, वो रिपोर्ट है जो कुछ समय पहले ही चुनाव आयोग को सौंपी गई थी और जिसको हाल ही में जारी किया गया है। इसमें कहा गया हे कि इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने विदेशी चंदा मिलने की बात छिपाई और उन बैंक अकांउट का भी जिक्र नहीं किया जहां से ये मिली है।

दवा कंपनियों के पास है कितनी ताकत, किसी मिलेगी जिंदगी और किसके हिस्से आएगी मौत सबकुछ यहीं से तय होता है

नई दिल्ली (एजेंसी)

आपको क्या लगता है कि आप जिएं या मरें, यह कौन तय करता है। आप में से अधिकांश लोगों का जवाब नियती पर आकर अटक जाएगा। लेकिन अब महामारी की दुनिया में वैक्सीन और दवा बनाने वाली कंपनियों का समूह तय करता है कि कौन जिएगा है या कौन मरेगा। प्रमुख दवा निमार्ताओं और आपूर्तिकताओं के पास कीमतें निर्धारित करने, नियामकों को प्रभावित करने की शक्ति है। बिग फार्मा एक शब्द है जिसका इस्तेमाल वैश्विक दवा उद्योग को संदर्भित करने के लिए किया जाता है। इसमें व्यापार समूह, फार्मास्युटिकल रिसर्च एंड मैन्युफैक्चरर्स ऑफ अमेरिका भी शामिल है। बड़ी फार्मा और मेडिकल डिवाइस कंपनियां हर साल अरबों डॉलर कमाती हैं।

डेराप्रिम को मलेरिया से लड़ाई में एक महत्वपूर्ण हथियार माना जाता है। एक वक्त था जब इसकी कीमत साढ़े तेरह डॉलर के करीब हुआ करती थी। जिसके बाद मार्टिन शकरेली ने इसमें अपना कदम रखा और डेराप्रिम के लिए लाइसेंस प्राप्त किए। जिसके बाद इस दवा की कीमतों में 5 हजार प्रतिशत का इजाफा हुआ। साढ़े तेरह डॉलर वाली दवा 750 डॉलर में बिकने लगी। मरीज से लेकर आम लोग सभी ने इसका विरोध किया। लेकिन शकरेली इन बातों से बेपरवाह दिखे। हालांकि बाद में को निवेशकों को धोखा देने लिए, दवा कंपनी के स्टॉक मूल्य को बढ़ाने की कोशिश सात साल की जेल की सजा हुई । दवा के दाम बढ़ाने पर उनका कहना था कि हां, मैंने अधिक लाभ कमाने के लिए कीमत अधिक बढ़ा दी।

शकरेली ऐसे सिस्टम का चेहरा हैं जो मुनाफें को लोगों की जिंदगी से ऊपर रखते हैं। एक ऐसा सिस्टम जो बीमारी से बस पैसा बनाना जानता है। ओपिओइड ऐसे पदार्थ हैं जो मॉर्फिन जैसे प्रभाव पैदा करने के लिए ओपिओइड रिसेप्टर्स पर कार्य करते हैं। मुख्य रूप से दर्द से राहत के लिए उपयोग किए जाते हैं। यह आपको हिरोइन की तरह ही प्रभाव डालता है। दर्द की भावना को रोक देता है। पहले ये गहन डॉक्टरी सलाह पर भी ली जाती थी। लेकिन 1990 के दौर में इसमें बिग फार्मा की एंट्री हुई। उन्होंने कहा कि ओपिओइड लत नहीं लगती। बिग फार्मा के मेडिकल रिप्रजंटेटिव पूरे अमेरिका में ओपिओइड को डॉक्टरों द्वारा परामर्शित करने की योजना में लग गए। इस खेल का सबसे बड़ा मास्टर प्रड्यू फार्मा रहा। जिसके ओपिओइड दवा का नाम ओक्सीकांटिंन । 1997 में 67000 पर्चों में इस दवा को लिखा गया और 2002 तक ये आंकड़ा 6.2 मिलयन तक आ पहुंचा।

मुस्लिमों के नरसंहार के आह्वान पर चुप हैं पीएम मोदी, इस पर गौर करे अंतरराष्ट्रीय समुदाय : इमरान

इस्लामाबाद (एजेंसी)

हिंदुओं और ईसाइयों के खिलाफ लगातार हो रहे हमलों को रोकने में नाकाम पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने भारत के अल्पसंख्यकों खासकर मुस्लिमों को लेकर 'ज्ञान' दिया है। इमरान खान ने कहा कि मोदी सरकार ने दिसंबर महीने में हुई अतिवादी हिंदुओं की बैठक में 'अल्पसंख्यकों खासकर 20 करोड़ मुस्लिमों के नरसंहार' के आह्वान पर चुप्पी साध रखी है।

उन्होंने कहा इससे यह सवाल उठता है कि क्या भाजपा सरकार अतिवादियों के इस आह्वान का समर्थन करती है। इमरान खान ने अपने ट्वीट में अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इस ध्यान देने और मोदी सरकार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पाकिस्तानी पीएम ने कहा भाजपा मोदी सरकार की कट्टरपंथी विचारधारा के तहत भारत में सभी धार्मिक अल्पसंख्यकों को हिंदूवादी गुटों द्वारा निशाना बनाया गया है। मोदी सरकार का कट्टरपंथी अजेंडा वास्तविक है और हमारे क्षेत्र की शांति के लिए खतरा पैदा कर दिया है।

हाल ही में इमरान खान ने पीएम मोदी के कई जहरीले बयान दिए थे। इमरान खान ने कहा था कि कश्मीर में संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में जनमत संग्रह कराने का संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का वादा अभी तक पूरा नहीं हुआ है। पाकिस्तानी पीएम ने आरोप लगाया कि हिंदुओं का समर्थन करने वाली मोदी सरकार ढिठाई से सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन कर रही है और कश्मीर में जनसंख्या को बदलने का प्रयास कर रही है। इमरान खान ने ट्वीट करके कहा कि मोदी सरकार अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों और अंतरराष्ट्रीय समझौतों का उल्लंघन कर रही है।

मोदी सरकार ने कश्मीर का दर्जा बदलकर और जनसंख्या को बदलने का प्रयास करके युद्ध अपराध किया है। पाकिस्तानी पीएम ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय खासकर संयुक्त राष्ट्र से मांग की कि कश्मीर में युद्ध अपराध के लिए भारत के खिलाफ मुकदमा चलाया जाए।

राजस्थान ने 529 ओमिक्रॉन मामले के साथ ही दिल्ली को पीछे छोड़ा

देश में ओमिक्रॉन के 4,033 केस, राजस्थान में दिल्ली से ज्यादा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश में 24 घंटे में ओमिक्रॉन के 410 नए केस सामने आए, जिससे मामलों की कुल संख्या बढ़कर 4,033 हो गई है। इसी के साथ अब तक 1,552 लोग ठीक हुए हैं। ये जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार सुबह साझा की। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, ओमिक्रॉन अब तक 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैल चुका है। महाराष्ट्र में ओमिक्रॉन के 207 मामले सामने आए, जिससे मामलों की संख्या बढ़कर 1,216 हो गई है। महाराष्ट्र ओमिक्रॉन से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य है। जबकि 454 मरीजों को छुट्टी दे दी गई है। राजस्थान ने 529 ओमिक्रॉन के मामले आने के साथ ही दिल्ली को पीछे छोड़ दिया, जिनमें से 305 को अब तक छुट्टी दे दी गई है। दिल्ली में ओमिक्रॉन के 513 मामले हैं। इनमें से 57 को अब तक अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है। दिल्ली के बाद कर्नाटक में ओमिक्रॉन के 441 मामले है। केरल में अब तक 333 ओमिक्रॉन के मामले सामने आए हैं। अन्य राज्यों में, गुजरात में अब तक 236 मामले सामने आए हैं, जबकि तमिलनाडु में 185 मामले दर्ज किए गए। तेलंगाना और हरियाणा में भी 123 ओमिक्रॉन के मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, हाल ही में चुनाव होने वाले उत्तर प्रदेश में ओमिक्रॉन के 113 मामले सामने आए हैं। हालांकि मामलों की संख्या ओडिशा में 74 और आंध्र प्रदेश में 28 हो गई है। पंजाब और पश्चिम बंगाल में 27-27 मामले हैं और गोवा में 19 ओमिक्रॉन के मामले हैं। मध्य प्रदेश में बीते 24 घंटों में ओमिक्रॉन का एक मामला सामने आया है, जिससे संख्या बढ़कर 10 हो गई है। हालांकि, असम में 9 और उत्तराखंड में 8 ओमिक्रॉन के मामले हैं। मेघालय में अब तक ओमिक्रॉन के 4 मामले हैं। चंडीगढ़, जम्मू और कश्मीर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में अब तक 3-3 मामले और पुडुचेरी में 2 मामले सामने आए हैं। इस बीच, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख, मणिपुर और छत्तीसगढ़ में ओमिक्रॉन का एक-एक मामला सामने आया है।

तमिलनाडु में 11 सरकारी मेडिकल कॉलेजों का उद्घाटन करेंगे पीएम

करीब 4,000 करोड़ की लागत से स्थापित किए जा रहे हैं मेडिकल कॉलेज

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तमिलनाडु में 11 सरकारी मेडिकल कॉलेजों और चेन्नई में केंद्रीय शास्त्रीय तमिल संस्थान (सीआईसीटी) के नए परिसर का 12 जनवरी को उद्घाटन करेंगे। मेडिकल कॉलेज लगभग 4,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से स्थापित किए जा रहे हैं, जिसमें से लगभग 2,145 करोड़ रुपये केंद्र सरकार और बाकी तमिलनाडु सरकार द्वारा प्रदान किए गए हैं। नए मेडिकल कॉलेज विरुधुनगर, नमक्कल, नीलगिरी, तिरुपुर, तिरुवल्लूर, नागपट्टिनम, डिंडीगुल, कल्लाकुरिची, अरियालुर, रामनाथपुरम और कृष्णागिरी जिलों में स्थापित कराए जा रहे हैं। पीएमओ ने एक बयान में कहा, इन मेडिकल कॉलेजों की स्थापना देश के सभी हिस्सों में सस्ती चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावा देने और स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए प्रधान मंत्री के निरंतर प्रयास के अनुरूप की जा रही है। केंद्र प्रायोजित योजना के तहत 1,450 सीटों की संचयी क्षमता वाले नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जा रहे हैं। इस योजना का मकसद 'मौजूदा जिला/रेफरल अस्पताल से जुड़े नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना' करना है। इस योजना के तहत उन जिलों में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाते हैं, जिनमें कोई सरकारी या निजी मेडिकल कॉलेज नहीं है। पीएमओ ने कहा, चेन्नई में केंद्रीय शास्त्रीय तमिल संस्थान (सीआईसीटी) के एक नए परिसर की स्थापना भारतीय विरासत की रक्षा और संरक्षणऔर शास्त्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने के प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप है। नया परिसर पूरी तरह से केंद्र सरकार द्वारा वित्त पोषित है और 24 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। अभी तक किराए के भवन से संचालित होने वाला सीआईसीटी अब नए तीन मंजिला परिसर से संचालित होगा। नया परिसर एक विशाल पुस्तकालय, एक ई-लाइब्रेरी, सेमिनार हॉल और एक मल्टीमीडिया हॉल से सुसज्जित है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संगठन, सीआईसीटी तमिल भाषा की प्राचीनता और विशिष्टता को स्थापित करने तथा शोध गतिविधियां करके शास्त्रीय तमिल को बढ़ावा देने में योगदान दे रहा है। संस्थान के पुस्तकालय में 45,000 से अधिक प्राचीन तमिल पुस्तकों का समृद्ध संग्रह है। शास्त्रीय तमिल को बढ़ावा देने और अपने छात्रों की मदद करने के लिए संस्थान सेमिनार और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने ,अन्य अकादमिक कार्यों के अलावा , फेलोशिप भी प्रदान करता है। इसका उद्देश्य विभिन्न भारतीय और साथ ही 100 विदेशी भाषाओं में 'थिरुक्कुरल' का अनुवाद और प्रकाशन करना है।

पीएम मोदी की लंबी उम्र के लिए आज मैं भी घर में करवाऊंगा महामृत्युंजय जाप

चड़ीगढ़ (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने पीएम मोदी पर निशाना साधकर कहा कि मोदी डिक्टेटर बनना चाह रहे थे, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी। प्रधानमंत्री की सुरक्षा और लंबी उम्र को लेकर देश में हो रहे महामृत्युंजय यज्ञों पर चन्नी ने कहा कि वह भी अपने घर में 11 पंडितों के साथ प्रधानमंत्री की लंबी उम्र के लिए महामृत्युंजय जाप करवाएंगे। उन्होंने कहा, पीएम मोदी को अगर किसी से खतरा है,तब मैं खुद उनके लिए बगलामुखी का मंत्र बोल देता हूं, जिससे उसकी सेहत अच्छी रहे और दुश्मन आगे न आए।अगर प्रधानमंत्री के लिए खतरा इतना बढ़ गया है कि उसके लिए महामृत्युंजय पाठ जरुरी है,तब मैं कल ही अपने घर में खुद पाठ करवाउंगा, बल्कि खुद मंत्र का जाप करूंगा। हमें इसकी खुशी है, कि देश में डेमोक्रेसी है और सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को डांटा है कि कैसे वे एकसाथ दो काम कर रहे हैं।एक तरफ आप अदालत में भी आ रहे हो और राज्य को शो कॉज़ नोटिस भी जारी कर दिए हैं। इसलिए डेमोक्रेटिक सिस्टम में अदालत का होना बहुत ज़रूरी है। आज सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने राज्य और केंद्र के बीच के झगड़े में राहत दी है।

रोजगार के मोर्चे पर अच्छी खबर, नौ क्षेत्रों में नौकरियों की संख्या दो लाख बढ़ी

नई दिल्ली । कोरोना संकट के बीच रोजगार बाजार की स्थिति ठीक हुई है।श्रम मंत्रालय द्वारा जारी तिमाही रोजगार सर्वेक्षण के अनुसार नौ चयनित क्षेत्रों में कुल रोजगार की संख्या जुलाई-सितंबर 2021 के दौरान बढ़कर 3.10 करोड़ रही, जो अप्रैल-जून के मुकाबले दो लाख अधिक है। श्रम एवं रोजगार केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने श्रम ब्यूरो द्वारा तैयार तिमाही रोजगार सर्वेक्षण (क्यूईएस) को जारी किया, जिसके मुताबिक अप्रैल से जून, 2021 में नौ चयनित क्षेत्रों में कुल रोजगार की संख्या 3.08 करोड़ थी। ये आंकड़े कोविड-19 की दूसरी लहर के बाद राज्यों द्वारा लॉकडाउन प्रतिबंधों को हटाने के चलते आर्थिक गतिविधियों में हुए सुधार को दिखाते हैं। ये नौ क्षेत्र विनिर्माण, निर्माण, व्यापार, परिवहन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रेस्टोरेंट, आईटी/बीपीओ (बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग) और वित्तीय सेवाएं हैं। यह इस कड़ी की दूसरी रिपोर्ट है। पहली रिपोर्ट अप्रैल-जून 2021 की थी। इस अध्ययन में 10 या अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों को शामिल किया गया। यादव ने रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि इन अध्ययनों से सरकार को साक्ष्य आधारित नीति बनाने में मदद मिलेगी।

अखिलेश के जिन्ना का नाम लेने पर बेवकूफी है किसी पार्टी को हराने के लिए वोट ना करें मुस्लिमः मौलाना मदनी

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

उत्तर प्रदेश में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में पाकिस्तान के जनक मोहम्मद अली जिन्ना का नाम भी खूब उछाला जा रहा है। अखिलेश यादव की ओर से जिन्ना का नाम लिए जाने को जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख मौलाना महमूद मदनी ने बेवकूफी करार दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय मुस्लिम आजादी से पहले ही जिन्ना को खारिज कर चुके हैं। जिन्ना साहब में कुछ अच्छाइयां भी होंगी, लेकिन हमारे लिए वह बेकार हैं। वह तो कुल्हाड़ी मारकर जा चुके हैं। आज तक के एक कार्यक्रम में मदनी से जब सवाल किया गया कि मुस्लिम इस बार अखिलेश यादव के लिए वोट करेंगे और जिन्ना का नाम लेने का फायदा होगा? इस पर मदनी ने कहा, 'कभी नहीं हो सकता है। भारत में रहने वाला मुसलमान बाय चांस इंडियन नहीं है, बाय चॉइस इंडियन है, जिन्ना को तो सन 1947 में, 46, में और 1942 में भारतीय मुसलमानों ने खारिज किया।' अखिलेश ने जिन्ना का नाम क्यों लिया? इसके जवाब में मदनी ने कहा, 'यह तो वह बताएंगे, आडवाणी जी ने क्यों लिया था, यशवंत सिन्हा ने क्यों लिया था, या इन्होंने क्यों लिया ये (अखिलेश) बताएंगे। फिर पूछे जाने पर कि अखिलेश ने ऐसा क्यों किया, मदनी ने कहा, 'मोटी तौर पर बात यह है कि बेवकूफी है, कोई लेनादेना नहीं है, जिन्ना साहब में कुछ अच्छाइयां भी होंगी, लेकिन हमारे लिए तो बेकार हैं ना वो, वो तो कुल्हाड़ी मारकर चले गए। उनका हमसे क्या लेना देना है। अखिलेश यादव एक स्वतंत्र राजनीतिक पार्टी के नेता हैं, हो सकता है उन्हें उनकी कोई बात अच्छी लगती हो, वे करें, लेकिन इससे मुसलमान को क्यों जोड़ा जा रहा है। मुझे इस पर भी ऐतराज है।

बहुत से लोगों की तारीफ कर सकते हैं, आजकल लोग गोडसे साहब की तारीफ कर रहे हैं। मैंने गोडसे को भी साहब कहा क्योंकि सबके नाम के साथ लगाता हूं।' आजादी के इतने सालों बाद भी मुस्लिमों की यह हालत क्यों है?

ड्रग्स केस में अकाली विधायक बिक्रम सिंह मजीठिया को मिली अग्रिम जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने ड्रग्स केस में अकाली दल के विधायक बिक्रम सिंह मजीठिया को अग्रिम जमानत दे दी है। इसके साथ ही अकाली दल के नेता को अदालत ने जांच में सहयोग करने का आदेश दिया है। जस्टिस लिजा गिल ने कहा कि बिक्रम सिंह मजीठिया को ड्रग्स केस की जांच से जुड़ना होगा। विधायक एवं पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया कई दिनों से गिरफ्तारी से बचते रहे हैं। उनके खिलाफ नारकोटिक्स केस में मामला दर्ज किया गया था। 20 दिसंबर को मामला दर्ज होने के बाद से ही वह लापता चल रहे थे और पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने में नाकाम रही थी। इस बीच मोहाली अदालत ने उनकी अग्रिम बेल की मांग को खारिज कर दिया था। इसके बाद मजीठिया ने हाई कोर्ट का रुख किया गया था। वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी और आरएस चीमा ने मजीठिया का केस लड़ा था। मजीठिया के वकीलों ने सवाल उठाया कि आखिर इस मामले में अब तक एफआईआर क्यों नहीं की थी और इसमें इतनी देरी क्यों की गई है। वकीलों ने सवाल उठाया कि राजनीतिक कारणों से अब केस दर्ज किया गया है। मजीठिया के वकीलों ने कहा कि उनका कोई क्रिमिनल रिकॉर्ड नहीं रहा है। वह मुख्यधारा के नेता रहे हैं और जांच से जुड़ने के लिए तैयार थे। गौरतलब है कि पंजाब की सियासत में बिक्रम सिंह मजीठिया हमेशा से एक विवादित चेहरा रहे हैं। उन पर ड्रग्स के धंधे में लिप्त होने के आरोप विपक्षी दलों की ओर से लगते रहे हैं। कांग्रेस सरकार ने हाल ही में उनके खिलाफ केस दर्ज करने का आदेश दिया था। हालांकि इसे लेकर यह सवाल उठे थे कि आखिर 4.5 साल तक सरकार कोई कदम क्यों नहीं उठाया और अब चुनाव से ऐन पहले केस क्यों फाइल हुआ है। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने भी इसे लेकर सवाल खड़ा किया था। बिक्रम सिंह मजीठिया अकाली दल की सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं।

ओमिक्रॉन के रूप बीए.1 वैरिएंट ने डेल्टा की जगह लेना शुरू किया

महाराष्ट्र व कुछ राज्यों में ऐसा दिखा, सैंपल्स की जीनोम सीक्वेंसिंग जुटे वैज्ञानिक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश भर में कोरोना के नए केसों में तेजी से इजाफे के लिए जिम्मेदार ठहराए जा रहे ओमिक्रॉन वैरिएंट ने भारत में शायद रूप बदल लिया है। ओमिक्रॉन का ही एक और रूप बताए जा रहे बीए.1 वैरिएंट ने अब डेल्टा की जगह लेना शुरू कर दिया है। फिलहाल महाराष्ट्र और कुछ अन्य राज्यों में ऐसा देखा जा रहा है। फिलहाल वैज्ञानिक पॉजिटिव क्लीनिकल सैंपल्स की जीनोम सीक्वेंसिंग करने में जुटे हैं। इस स्टडी के बाद ही कुछ और जानकारी निकलकर सामने आ सकेगी। वैज्ञानिकों का कहना है कि ओमिक्रॉन से ज्यादा फिलहाल बीए.1 वैरिएंट ही देश भर में तेजी से बढ़ रहे केसों के लिए जिम्मेदार है। हालांकि राहत की बात यह है कि इस वैरिएंट से पीड़ित लोगों में मामूली लक्षण ही दिखे हैं और लोगों को अस्पतालों में कम ही एडमिट करने की जरूरत पड़ रही है। ओमिक्रॉन वैरिएंट की ही फैमिली से जुड़े तीन नए वैरिएंट बीए.1, बीए.2 और बीए.3 सामने आए हैं। डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के सीनियर साइंटिस्ट ने बताया, %हमें कुछ क्लीनिकल सैंपल्स में बीए.1 वैरिएंट की मौजूदगी मिली है। यह ओमिक्रॉन वैरिएंट फैमिली से ही ताल्लुक रखता है। यह एक ही फैमिली के हैं। इसलिए पीड़ित लोगों में ओमिक्रॉन वैरिएंट ही बताया जा रहा है। देश में 20 दिसंबर के बाद से ही कोरोना के नए केसों में तेजी देखी जा रही है। सोमवार को देश भर में एक ही दिन में 1.80 लाख नए केसों का आंकड़ा सामने आया है। महाराष्ट्र, दिल्ली समेत कई राज्यों में केसों की संख्या तेजी से बढ़ी है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि देश में तीसरी लहर शुरू हो चुकी है और फरवरी के पहले सप्ताह में यह पीक पर होगी। हालांकि राहत की बात यह है कि भले ही केसों का आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन ज्यादातर लोगों को अस्पताल में एडमिट करने की जरूरत ही नहीं पड़ रही है।

-श्रीलंका के संविधान के 13वें संशोधन के प्रावधानों को लागू करने में करें मदद

श्रीलंका के 7 राजनीतिक दलों ने पीएम मोदी से मांगी मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)।

श्रीलंका के सात राजनीतिक दलों ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मदद की गुहार लगाई है। देश के उत्तरी और पूर्वी राज्यों में श्रीलंकाई तमिलों का प्रतिनिधित्व करने वाले दलों ने मोदी को एक साझा पत्र लिखा है। पत्र में श्रीलंका के संविधान के 13वें संशोधन के प्रावधानों को पूरी तरह से लागू करने के लिए नरेंद्र मोदी की मदद मांगी गई है। श्रीलंका के संविधान का 13वां संशोधन जुलाई 1987 के भारत-श्रीलंका समझौते के कारण अस्तित्व में आया था। इसी संशोधन के तहत प्रांतीय परिषदों की स्थापना की गई थी। लेकिन अभी तक इस संशोधन को लागू नहीं किया गया है। प्रधानमंत्री को पत्र लिखने वाली राजनीतिक पार्टियों में शामिल हैं- टीएनए, आईटीएके, टीईएल, पीएलओटीई, ईपीआरएलएफ, टीएमपी और टीएनपी। पत्र को कोलंबो में भारतीय उच्चायोग के कार्यालयों के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी को भेजा जाएगा। नरेंद्र मोदी को लिखे लंबे पत्र में राजनीतिक दलों की तरफ से लिखा गया है कि 1948 में ब्रिटेन से आजाद होने के बाद श्रीलंका के तमिल भाषी लोगों ने सभी सरकारों से उचित तरीके से सत्ता बंटवारे की मांग की है।

इसके लिए कई प्रयास किए गए लेकिन अभी भी इस मसले को सुलझाया नहीं जा सका है। पत्र में भारत का आभार जताते हुए लिखा गया, भारत सरकार पिछले 40 वर्षों से इस प्रयास में सक्रिय रूप से लगी हुई है। उचित और स्थायी समाधान खोजने के लिए हम भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता के लिए आभारी हैं। ये प्रतिबद्धता तमिल भाषी लोगों की गरिमा, शांति सुरक्षा और आत्म-सम्मान के साथ जीने की वैध आकांक्षाओं को बल देगी। हम एक संघीय ढांचे पर आधारित राजनीतिक समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं जो हमारी मांगों को मान्यता देता है। तमिल भाषी लोग हमेशा से श्रीलंका के उत्तर और पूर्व में बहुसंख्यक रहे हैं। भारत सरकार ने 1983 में इस मसले पर बातचीत की पेशकश की, जिसे श्रीलंका सरकार ने स्वीकार कर लिया और परिणामस्वरूप 29 जुलाई 1987 को भारत-श्रीलंका समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इसके बाद श्रीलंका के संविधान में 13वां संशोधन किया गया जिसके तहत एक प्रांतीय परिषद की स्थापना की गई, एक ऐसी प्रणाली जिसमें प्रांतों को शक्तियों के बंटवारे की बात कही गई थी। लेकिन संशोधन को केंद्रीय संविधान में पेश किया गया, जिससे इस संशोधन को सत्ता हस्तांतरण के बजाय सत्ता विकेंद्रीकरण का रूप दे दिया गया। पत्र में तमिलों को सत्ता बंटवारे के प्रयासों को लेकर विस्तृत ब्यौरा दिया गया है और लिखा गया है, हम मानते हैं कि सरकार को तमिलों और मुसलमानों को भविष्य के श्रीलंका के लिए एक सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करना चाहिए। एक ऐसा श्रीलंका, जहां उनकी शिकायतों का समाधान किया जाता हो और उनकी सुरक्षा का आश्वासन दिया जाता हो। राष्ट्रपति राजपक्षे ने अधिकतम हस्तांतरण की बात कही है।

पिछली वार्ता में संघीय ढांचे के भीतर आंतरिक आत्मनिर्णय पर सहमति बनी है। ये श्रीलंका के उत्तर और पूर्व में लोगों को आशा प्रदान कर सकता है कि देश के भीतर अपने जीवन और अपनी नियति पर उनका नियंत्रण होगा।

संक्षिप्त समाचार

जो शादी स्थायी रूप से टूट गई है उसमें तलाक नहीं देना विनाशकारी : हाईकोर्ट

गुरुग्राम (एजेंसी)।

पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने कहा है कि अगर शादी पूरी तरह से टूट गई है और जोड़े के एक साथ आने या फिर साथ रहने की कोई संभावना नहीं है तो तलाक का आदेश नहीं देना विनाशकारी होगा। हाईकोर्ट ने गुरुग्राम फैमिली कोर्ट के फैसले के खिलाफ दाखिल एक व्यक्ति की याचिका स्वीकार करते हुए यह टिप्पणी की। इस व्यक्ति की क्रूरता और परित्याग करने के आधार पर तलाक के लिए दाखिल अर्जी परिवार अदालत ने अस्वीकार कर दी थी। इसके बाद, इस व्यक्ति ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। जस्टिस रितु बाहरी और जस्टिस अर्चना पुरी की बेंच ने 20 दिसंबर 2021 को आदेश पारित करते हुए कहा कि इस मामले में शादी अपरिवर्तनीय स्तर पर टूट चुकी हैं और उनके साथ होने की या एक साथ दोबारा रहने की कोई संभावना नहीं है। ऐसी स्थिति में तलाक को मंजूरी नहीं देना पक्षकारों के लिए विनाशकारी होगा। याचिका में कहा गया था कि प्रतिवादी (पत्नी), पति (वादी) के साथ वर्ष 2003 से नहीं रह रही है और कथित तौर पर वह आम सहमति से विवाद को सुलझाने को तैयार नहीं है, जबकि व्यक्ति तलाक चाहता है और एकमुश्त निर्वहन खर्च देने को तैयार है ताकि जिंदगी को आगे बढ़ाए, लेकिन पत्नी उसे स्वीकार नहीं कर रही है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले का संदर्भ देते हुए हाईकोर्ट की बेंच ने टिप्पणी की यद्यपि, शादी जो सभी मायनों में मृत प्राय हो चुकी है और अगर पक्षकार नहीं चाहते तो अदालत के फैसले से उसे पुनर्जीवित नहीं किया जा सकता क्योंकि इसमें इसमें मानवीय भावनाएं शामिल हैं अगर वह सूख गई है तो अदालत के फैसले से कृत्रिम तरीके से साथ रखने पर उनके जीवन में वसंत आने की शायद ही कोई संभावना है। अदालत ने पत्नी के नाम से 10 लाख रुपये की सावधि जमा (एफडी) कराने का आदेश देते हुए कहा कि मामले में असमान्य तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए अपील स्वीकार की जाती है और गुरुग्राम की परिवार अदालत के जिला जज का चार मई 2015 का फैसला रद्द किया जाता है और पक्षकारों को तलाक की अनुमति दी जाती है।

कोविड टीकाकरण केंद्रों की कोई समय सीमा निर्धारित नहीं

नई दिल्ली । भारत में कोविड टीकाकरण केंद्रों (सीवीसी) की कोई समय सीमा निर्धारित नहीं है और रात के 10 बजे तक लोगों को वैक्सीन लगाने का काम किया जा सकता है। भारत सरकार ने सोमवार को ये जानकारी दी। इसके मुताबिक सीवीसी के संचालन की कोई समय सीमा निर्धारित नहीं है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव डॉ मनोहर अगनानी द्वारा राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को लिखे खत में कहा गया, ÷कोविड टीकाकरण केंद्रों के संचालन की कोई समय सीमा निर्धारित नहीं है। सेशन टाइमिंग किसी विशेष सीवीसी में मांग और आवश्यकता के आधार पर तय किया जा सकता है। सीवीसी की टाइमिंग फ्लेक्सिबल है और रात के 10 बजे तक हो सकती है। भारत सरकार ने ये स्पष्टीकरण ऐसे समय में जारी किया है जब आज यानी 10 जनवरी से उच्च जोखिम वाले स्वास्थ्य व अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता, और कोमोरबिडिटीज वाले वरिष्ठ नागरिकों के लिए कोरोना की बूस्टर डोज दी जानी शुरू हुई है। सरकार ने कहा, हमें ये जानकारी मिली है कि कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का मानना है कि कोविड टीकाकरण केंद्र केवल दिन के 8 बजे से रात के 8 बजे तक खुले रह सकते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है। किसी भी तरह की कोई लिमिट तय नहीं की गई है। सेशन टाइमिंग को मांग और आवश्यकता के आधार पर तय किया जा सकता है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव ने कहा कि अगर डिमांड बढ़ती है तो उसी के हिसाब से टीमें भी बढ़ाई जी सकती हैं। कुछ समय पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में 15 से 18 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों को कोरोना वैक्सीन की डोज दिए जाने का ऐलान किया था। इसके अलावा पात्र लोगों को कोरोना वैक्सीन की तीसरी डोज लगाने की भी घोषणा की थी। सरकार इसे बूस्टर के बजाय प्रिकॉशन (एहतियाती) डोज कह रही है। जहां 15 से 18 आयु वर्ग के लिए वैक्सीन तीन जनवरी से लगना शुरू हो गया है वहीं अब पात्र आबादी के लिए 10 जनवरी से तीसरी खुराक दिए जाने का कार्यक्रम शुरू हुआ। को-विन ऐप पर प्रिकॉशन डोज के लिए रजिस्ट्रेशन 8 जनवरी से शुरू हुआ था।

बलिया, गाजीपुर, आजमगढ़ भाजपा का नहीं खुलेगा खाताः ओमप्रकाश राजभर

वाराणसी (एजेंसी)।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता ओमप्रकाश राजभर ने भाजपा पर जमकर हमला बोला है। 2017 में भाजपा के साथ चुनाव लड़ने वाले राजभर इस बार समाजवादी पार्टी के साथ समर में उतरे हैं। 'आज तक' टीवी चैनल से बातचीत में राजभर ने कहा कि यूपी में दलितों और पिछड़ों का हिस्सा लूटा गया है। उन्होंने कहा कि 69,000 शिक्षकों की भर्ती में भाजपा सरकार ने पिछड़े और दलितों का हिस्सा ही छीन लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा से हर वर्ग दुखी है। उन्होंने कहा कि यह पार्टी यूपी में 50 सीट भी जीत जाए तो बहुत बड़ी बात होगी। राजभर ने कहा कि भाजपा का बलिया, मऊ, आजमगढ़, गाजीपुर, अंबेडकरनगर में खाता भी नहीं खुलेगा। यही नहीं राजभर ने पीएम नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भी 6 विधानसभा सीटें जीतने का दावा किया है। भाजपा में अनिल राजभर के होने को लेकर ओमप्रकाश ने कहा कि ये लोग तो लोडर हैं। ये लोग मालिक की कंपनी में काम करते हैं। इन लोगों के पास हैसियत नहीं है कि वे यहां अपने हक की बात करें। यदि मुकेश राजभर का फर्जी एनकाउंटर होगा तो फिर इनकी जुबान नहीं खुलेगी। मेरा मानना है कि यदि यूपी में राजभर समुदाय की आबादी 4 फीसदी है तो फिर थाने से लेकर ब्लॉक तक में हमें यह हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि भाजपा के पिछड़े नेता जातिगत जनगणना से पीछे क्यों हटते हैं। अनिल राजभर की ओर से खुद को मुख्तार अंसारी का शूटर बताए जाने पर राजभर ने कहा कि यदि उनमें हिम्मत है तो हमें गिरफ्तार करा लें। राजभर ने कहा कि वे लोग तो अपनी जमानत बचा लें, वही बहुत है। राजभर ने कहा कि किसान डंडा लेकर खेत में खड़ा है और इनका इंतजार कर रहा है। कारोबारी भी नाराज हैं। बता दें कि ओमप्रकाश राजभर इस बार समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रहे हैं और वह भाजपा पर तीखे हमले बोल रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुंबई एयरपोर्ट पर टला बड़ा हादसा विमान के पास टग वैन में लगी भीषण आग

मुंबई । मुंबई एयरपोर्ट पर उस समय अफरा तफरी मच गई जब विमान के पास खड़ी एक टग वैन आग की चपेट में आ गई। ये घटना सोमवार की है। यात्रियों से भरी फ्लाइट को पुशबैक देने वाले वाहन (ट्रैक्टर) में अचानक आग लग गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह हादसा वी26आर स्टैंड पर हुआ। विमान में करीब 85 लोग सवार थे और ये मुंबई से जामनगर, गुजरात के लिए उड़ान भरने वाला था। घटना आज दोपहर 1 बजे की है। वाहन को मुंबई से जामनगर जाने वाली फ्लाइट को पुशबैक देने के लिए लाया गया था कि तभी इसमें अचानक आग लग गई। हालांकि आग लगने की वजह का पता नहीं चल पाया है। एयर इंडिया के एक अधिकारी ने कहा, 'किसी को कोई चोट नहीं आई, न ही किसी और चीज को कोई नुकसान हुआ है। हम अधिक जानकारी के लिए एयरपोर्ट ग्राउंड हैंडलर से संपर्क कर रहे हैं। आग लगने के सही कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। एयर इंडिया की मुंबई-जामनगर फ्लाइट एआइसीष्ट-647 को पुशबैक देने के लिए आए वाहन में अचानक आग लग गई और हादसे के वक्त एयरपोर्ट पर अफरा तफरी मच गई। हालांकि, एयरपोर्ट प्रशासन ने मुस्तैदी दिखाते हुए आग पर जल्द ही काबू लिया। किसी को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचा। मौके पर मौजूद हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने कहा, 'वीडियो में विमान करीब दिखाई दे रहा है, लेकिन वास्तव में, यह आग लगने वाले उपकरणों से 20 फीट या उससे अधिक दूर था। विमान ट्रैक्टर से जुड़ा नहीं था।'

पीएम ने काशी विश्वनाथ धाम कर्मियों को भेजे 100 जोड़ी जूट के जूते

ताकि सेवा कार्य कर रहे लोगों को इस ठंड में नंगे पांव न रहना पड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी के काशी विश्वनाथ धाम में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए 100 जोड़ी जूट के जूते भेजे हैं। प्रधानमंत्री काशी विश्वनाथ धाम में कार्यों पर लगातार नजर बनाए रखते हैं और वहां की रिपोर्ट भी लेते रहते हैं। अपने संसदीय क्षेत्र को करोड़ों रुपए की परियोजनाएं देने और पूर्ण होने वाली परियोजनाओं का शिलान्यास करने के लिए भी पीएम वाराणसी का दौरा करते रहते हैं। सूत्रों के मुताबिक, हाल ही में जब पीएम मोदी काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर का उद्घाटन करने के लिए गए थे तो उन्होंने वहां कर्मचारियों को ठंड के इस मौसम में भी नंगे पांव काम करते हुए देखा। इसका कारण पूछने पर उन्हें पता लगा कि मंदिर परिसर में लेदर और रबड़ के जूते पहनना वर्जित है, इसलिए इन्हें नंगे पांव ही कार्य करना पड़ रहा है। इसी वजह से मंदिर के पुजारियों, पूजा और दर्शन कार्य में लगे अन्य कर्मियों, सुरक्षाकर्मियों और सफाईकर्मियों के साथ-साथ मंदिर परिसर में कार्य कर रहे सभी कर्मचारियों को नंगे पांव ही सेवा कार्य करना पड़ रहा था। कारण जानने के बाद प्रधानमंत्री ने जूट के 100 जोड़ी जूते मंगवा कर काशी विश्वनाथ भेज दिए ताकि काशी विश्वनाथ धाम में सेवा कार्य कर रहे लोगों को इस ठंड में नंगे पांव न रहना पड़े। जाहिर तौर पर प्रधानमंत्री की तरफ से मिले इस तोहफे को पाकर काशी विश्वनाथ धाम में कार्य कर रहे लोग काफी खुश हैं।

गणतंत्र दिवस से पहले फिर भारत विरोधी ताकतों ने साजिश शुरू की

एसएफजे का 26 जनवरी को खालिस्तानी झंडा लहराने को लेकर बजट का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देशभर में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाया जाएगा और उससे पहले एक बार फिर भारत विरोधी ताकतों ने साजिश शुरू कर दी है। खालिस्तान समर्थक ग्रुप सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) की ओर से नई धमकी दी गई है जिसमें भारत में तिरंगे झंडे की जगह खालिस्तानी झंडे को लहराने को लेकर 1 मिलियन डॉलर का बजट बनाने का दावा किया गया है। सिख फॉर जस्टिस के चीफ गुरपतवंत सिंह पन्नू ने 26 जनवरी को लेकर इस बात का ऐलान किया है। साथ ही वीडियो समेत सोशल मीडिया पर प्रो खालिस्तानी ग्रुप पोस्टर कैपेन चला रहा है। दिल्ली के लोगों को 26 जनवरी को घरों में रहने, खालिस्तानी झंडे को फहराने और तिरंगे झंडे को रोकने को लेकर 1 मिलियन डॉलर के बजट का ऐलान किया गया है। आंदोलन के समय जान गंवाने वाले किसानों की दलील देकर यह धमकी दी गई है। गुरपतवंत सिंह पन्नू विदेश में बैठकर आए दिन वीडियो के जरिए धमकी देता रहता है। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां इसकी गिरफ्तारी के लिए भी कोशिश कर रही हैं। वह सोशल मीडिया के जरिए भारत के खिलाफ नफरत फैलाने की साजिश भी करता है। पन्नू की ताजा धमकी के बाद तमाम सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड में हैं। साथ ही 26 जनवरी की वजह से राजधानी दिल्ली में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

दिल्ली में कोरोना पॉजिटिविटी रेट 25% तक पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली में पिछले 24 घंटों में 19,166 नए कोरोना मामले सामने आए हैं जबकि पॉजिटिविटी रेट 25त्न हो चुका है। दिल्ली में टेस्ट करवाने वाला हर चौथा व्यक्ति कोरोना संक्रमित है। 5 मई के बाद यह सबसे ज्यादा पॉजिटिविटी रेट है। 5 मई को संक्रमण दर 26.36त्न थी। पिछले 24 घंटों में 17 मरीजों की मौत हुई, रविवार को भी दिल्ले ली में कोरोना संक्रमण के कारण 17 मरीजों की मौत हुई थी। दिल्ली में सक्रिय कोरोना मरीजों की संख्या 65,806 हो गयी है जो करीब 8 महीने में सबसे ज्यादा है। यहाँ होम आइसोलेशन में 44,028 मरीज हैं। सक्रिय कोरोना मरीजों की दर 4.19 फीसदी है। रिकवरी दर 94.20 फीसदी है।

सीएम नीतीश कुमार कोरोना संक्रमित

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। चिकित्सकों की सलाह पर वे घर में ही आइसोलेशन में हैं। उन्होंने सभी से कोविड अनुकूल सावधानियां बरतने की अपील की है। मुख्यमंत्री कार्यालय के द्वारा सोमवार को ट्वीट कर इसकी जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि कोरोना जांच में मुख्यमंत्री पॉजिटिव पाए गए हैं। मालूम हो कि इसके पहले सूबे के दोनों उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद और रेणु देवी समेत कई मंत्री भी कोरोना पॉजिटिव पाए गये हैं। इस तरह कोरोना ने मंत्रिमंडल के कई सदस्यों को अपनी चपेट में ले लिया है। पांच जनवरी को दोनों मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर अपने कोरोना पॉजिटिव होने की सूचना सभी से साझा की थी। वहीं केंद्रीय राज्यमंत्री अश्विनी चौबे और नित्यानंद राय भी कोरोना पॉजिटव पाये गये हैं। इसके अलावा विधान परिषद के कार्यकारी सभापति अवधेश नारायण सिंह समेत राज्य सरकार के मंत्रियों में अमरेंद्र प्रताप, शाहनवाज हुसैन, अशोक चौधरी, सुनील कुमार, मुकेश सहनी भी कोरोना पॉजिटिव हुए हैं। वहीं, जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह कोरोना जांच में निगेटिव हो गये हैं, जिन्होंने चार जनवरी को अपने पॉजिटिव होने की सूचना दी थी।

कोरोना वायरस के विरुद्ध जंग तेज

भारत ने सुरक्षित खुराक देना शुरू किया

-स्वास्थ्य मंत्री राज्यों संग करेंगे बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश में कोरोना वायरस की तीसरी लहर के बीच भारत में एक दिन में कोरोना वायरस के 1,79,723 नए मामले आने से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 3,57,07,727 पर पहुंच गई है, जिनमें से अभी तक 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश से आए ओमिक्रोन स्वरूप के 4,033 मामले भी शामिल हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह आठ बजे तक के आंकड़ों के अनुसार, उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 7,23,619 हो गई है जो करीब 204 दिनों में सबसे अधिक संख्या है जबकि 146 और मरीजों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या बढ़कर 4,83,936 हो गयी है। आंकड़ों के अनुसार, ओमिक्रोन के 4,033 मरीजों में से 1,552 स्वस्थ हो गए हैं या देश छोड़कर चले गए हैं। महाराष्ट्र में ओमिक्रोन के सबसे अधिक 1,216 मामले आए। इसके बाद राजस्थान में 529, दिल्ली में 513, कर्नाटक में 441, केरल में 333 और गुजरात में 236 मामले आए।

इस बीच खबर है कि आज स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गोवा, दादरा नगर हवेली, दमन और दीव एवं महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्रियों एवं उच्च अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जल्द ही मुख्यमंत्रियों के साथ ऑनलाइन बैठक कर कोरोना से निपटने की तैयारियों व इससे सम्बंधित अन्य पहलुओं पर विस्तार से चर्चा करेंगे।

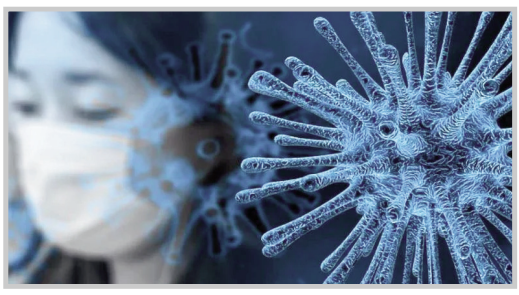

उधर, आज से स्वास्थ्यकर्मियों और अग्रिम मोर्चे के कर्मियों तथा 60 वर्ष के अधिक उम्र के अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों को कोविड-19 टीका की एहतियाती खुराक लगाया जाना शुरू हो चुका है ताकि ओमीक्रोन स्वरूप के कारण कोरोना वायरस के प्रसार पर लगाम लगाई जा सके। हम आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा में चुनावी ड्यूटी पर तैनात कर्मियों को अग्रिम मोर्चे का कर्मी माना गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को ट्वीट कर बताया था कि एहतियाती खुराक के लिए एक करोड़ से अधिक अग्रिम मोर्चा के कर्मियों और वरिष्ठ नागरिकों को एसएमएस भेजकर स्मरण कराया गया है। इस बीच, देश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ने के मद्देनजर कई राज्यों ने नये प्रतिबंध लगाए हैं। महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली सहित ज्यादातर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने महामारी की तीसरी लहर के खतरे के मद्देनजर पहले ही रात्रिकालीन कर्फ्यू और अन्य प्रतिबंधों की घोषणा की है। हिमाचल प्रदेश सरकार ने कोरोना वायरस के संक्रमण पर रोक के प्रयासों के तहत जहां अपने कार्यालयों के सप्ताह में पांच दिन खुलने की रविवार को घोषणा की, वहीं 10 से 24 जनवरी तक सभी सामाजिक और धार्मिक समारोहों पर प्रतिबंध लगाने का ऐलान किया। राजस्थान सरकार ने संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी के मद्देनजर पाबंदियों का दायरा बढ़ाते हुए राज्य के सभी शहरी क्षेत्रों में 12वीं तक के स्कूल 30 जनवरी तक के लिए बंद करने के साथ ही रविवार को कर्फ्यू, बाजार के समय को सीमित करने और रेस्टोरेंट में बैठने की क्षमता को सीमित करने की घोषणा की है। कोविड-19 के तेजी से बढ़ते मामलों से निपटने के लिए तमिलनाडु में रविवार को एक दिवसीय पूर्ण लॉकडाउन लागू किया गया और इसका पालन सुनिश्चित करने के लिए पुलिस, स्थानीय एवं स्वास्थ्य प्राधिकारियों ने कड़ी नजर रखी।

रक्षा मंत्री राजनाथ कोरोना संक्रमित, खुद हुए आइसोलेट

जो भी हाल में मेरे संपर्क में आए हैं खुद को आइसोलेट कर लें

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने ट्वीट कर जानकारी दी है। अपने ट्वीट में रक्षा मंत्री ने कहा कि हल्के लक्षण के साथ मेरा रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मैं होम क्वारंटाइन में हूं। इसके साथ ही उन्होंने लिखा कि मैं सभी को अनुरोध करता हूं कि जो भी हाल में ही मेरे संपर्क में आए हैं खुद को आइसोलेट कर लें और अपना परीक्षण तुरंत करवा लें।भारत में एक दिन में कोरोना वायरस के 1,79,723 नए मामले आने से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 3,57,07,727 पर पहुंच गयी है, जिनमें से अभी तक 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश से आए ओमीक्रोन स्वरूप के 4,033 मामले भी शामिल हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 7,23,619 हो गयी है जो करीब 204 दिनों में सबसे अधिक संख्या है जबकि 146 और मरीजों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या बढ़कर 4,83,936 हो गयी है।

कोरोना मरीजों के संपर्क में आने वाले लोगों को कोविड टेस्ट कराने की जरूरत नहीं - आईसीएमआर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) की एडवाइजरी में कि कोरोना मरीजों के संपर्क में आने वाले लोगों को कोविड टेस्ट कराने की जरूरत नहीं है, जब तक ज्यादा जोखिम वाले व्यक्ति के तौर पर उनकी पहचान न हो। ज्यादा जोखिम का मतलब ज्यादा उम्र या बीमारी के शिकार लोगों से है। आईसीएमआर ने टेस्टिंग की इस नई स्ट्रैटजी को लेकर एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि लक्षण वाले मरीजों की जल्द से जल्द पहचान हो और उन्हें सही समय पर आइसोलेशन के साथ उचित इलाज दिया जाए। बुजुर्गों और बीमारियों के शिकार लोगों में संक्रमण की पहचान में तेजी लाई जाए। खासकर हाइपरटेंशन, फेफड़े और किडनी से जुड़ी बीमारियों, मोटापा आदि। अस्पतालों में सिर्फ टेस्टिंग के लिए सर्जरी या डिलीवरी जैसी इमरजेंसी प्रक्रिया में देरी नहीं होनी चाहिए। सिर्फ टेस्टिंग सुविधा न होने पर किसी मरीज को किसी अन्य चिकित्सा केंद्र नहीं भेजा जाना चाहिए। टेस्ट सैंपल इकट्ठा करने और उसे जांच केंद्र तक भेजे जाने की पूरी व्यवस्था होनी चाहिए। बिना लक्षण वाले ऐसे मरीजों, जो सर्जरी या बिना सर्जरी वाली ऑपरेशन प्रक्रिया से गुजर रहे हैं, (जिनमें प्रसव काल के नजदीक महिलाएं भी शामिल हैं और जिन्हें डिलिवरी के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जाना है) जब तक ऐसा जरूरी न हो या उनमें कोई लक्षण न दिखें।

यूपी की आम जनता को दोबारा से योगी सरकार के विकासशील कार्यकाल का इंतजार : उमा भारती

वाराणसी (एजेंसी)।

भाजपा की फायर ब्रॉड नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने यहां वाराणसी पहुंची, जहां उन्होंने सर्किट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। भाजपा से ब्राह्मणों के नाराज होने वाले सवाल पर पूर्व मंत्री ने कहा की, उत्तर प्रदेश की जनता ने पूर्व की मायावती और अखिलेश यादव के सरकार में बहुत जातिवाद झेला है। उमा भारती ने अपनी बात आगे बढ़ाते हुए कहा की, बसपा और सपा के कार्यकाल में हुए जातिवाद से, उनकी खुद के जाति के लोग उनसे नाराज हो चुके है, क्योंकि उन्हें अब विकास चाहिए। उन्होंने कहा की, अखिलेश यादव ने अपनी सरकार में सबसे बड़ी भूल जातिवाद और संप्रदायवाद फैला कर किया, जिसे अब वो भुगत रहे है। उनके शासन में हुए भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी के कारण अब यूपी की जनता ने उनका बहिष्कार कर दिया है। अखिलेश यादव के उनके सपने में भगवान श्री कृष्ण के आने वाले बयान, पर निशाना साधते हुए उमा भारती ने कहा की, अखिलेश के सपने का पता नही, लेकिन जनता के सपने में अखिलेश सरकार का पांच वर्षों का कार्यकाल आ रहा है, और वो इस सपने को सच नहीं होने देंगे। अखिलेश यादव को चुनाव में हार का डर सता रहा है, जिस कारण वो ऐसी बहकी बातें बोल रहे है। उन्होंने कहा की, अब लोग सीएम योगी आदित्यनाथ के सुखद को विकासशील कार्यकाल का सपना देख रहे है। मशहूर हेयर स्टाइलिश जावेद हबीब के द्वारा लड़की के बालों पर थूकने के सवाल पर उन्होंने कहा की, वो जावेद हबीब को नहीं जानती, और हिंदू हो या मुस्लिम हर महिला का सम्मान होना चाहिए। उत्तर प्रदेश में असदुद्दीन ओवैसी की बढ़ती सक्रियता पर उमा भारती ने कहा कि, भारतीय जनता पार्टी उन्हे पूरी तरह से जवाब देने के लिए सक्षम है।

गंगासागर मेले ने बढ़ाई स्वास्थ्य विशेषज्ञों की चिंता

कलकत्ता (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल में कोरोना संक्रमण का रिकॉर्ड बनने के बाद सोमवार से शुरू सालाना गंगासागर मेला स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए चिंता पैदा कर रहा है कि कहीं यह मेला तेजी से बढ़ते कोरोना संक्रमण की तस्वीर को और भयावह ना बना दे।राज्य में संक्रमण के रोजाना बनते नए रिकॉर्ड को देखते हुए तमाम हलकों में यही सवाल पूछा जा रहा है। इसकी ठोस वजह भी है। अब तक मेले के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से यहां पहुंचने वाले 38 श्रद्धालु कोरोना संक्रमित मिले हैं। फिलहाल 34 फीसदी पाजिटिविटी रेट के साथ बंगाल पूरे देश में दूसरे नंबर पर है। खासकर राजधानी कोलकाता में तो रोजाना सात हजार से नए मामले सामने आ रहे हैं। महानगर में पाजिटिविटी रेट करीब 42 फीसदी पहुंच गई है।रविवार को बंगाल ने 24 हजार से ज्यादा नए मामलों के साथ संक्रमण का नया रिकार्ड बना दिया। यहां पहली व दूसरी लहर के दौरान भी एक दिन में 24 हजार मामले सामने नहीं आए थे। इससे पहले दूसरी लहर के दौरान बीते साल 14 मई को सबसे ज्यादा करीब 21 हजार मामले सामने आए थे। सरकार ने 15 जनवरी तक कई पाबंदियां लागू की है। बावजूद इसके संक्रमण बहुत तेज गति से बढ़ रहा है। विभिन्न संगठनों ने गंगासागर मेले पर रोक लगाने की मांग में कलकत्ता हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की थी। लेकिन सरकार ने दलील दी कि मेले के आयोजन में कोरोना प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया जाएगा और तमाम एहतियाती उपाय बरते जाएंगे।दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने कुछ शर्तों के साथ मेले के आयोजन को हरी झंडी दिखा दी है। अदालत ने सरकार से मेला परिसर को 24 घंटे के भीतर अधिसूचित क्षेत्र घोषित करने के साथ ही मेले की निगरानी के लिए तीन-सदस्यीय समिति बनाने का निर्देश दिया है।

अस्पतालों पर बढ़ सकता है दबाव केंद्र ने राज्य सरकारों को लिखा खत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश में कोरोना वायरस के बढ़ते मामले के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य सचिवों को पत्र लिखा है। राजेश भूषण ने सभी राज्यों को कोरोना के हालात पर पैनी नजर रखने को कहा है। इसके साथ-साथ उन्होंने राज्यों को लिखे पत्र में कहा है कि वर्तमान में कोरोना मामलों में आए उछाल के बीच 5 से 10 फीसदी सक्रिय मामलों को ही अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़ रही है। इसके लिए हमें तैयार रहना पड़ेगा। हालांकि, उन्होंने राज्यों को चेतावनी देते हुए लिखा है कि स्थिति तेजी से बदल रही है और अस्पतालों में भर्ती की स्थिति भी तेजी से बदल सकती है। उन्होंने सभी राज्यों को कोरोना के एक्टिव मामलों पर नजर रखने का निर्देश दिया है। बता दें कि भारत में एक दिन में कोरोना वायरस के 1,79,723 नए मामले आने से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 3,57,07,727 पर पहुंच गई है, जिनमें से अभी तक 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश से आए ओमिक्रॉन वैरिएंट के 4,033 मामले भी शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार, ओमिक्रॉन के 4,033 मरीजों में से 1,552 स्वस्थ हो गए हैं या देश छोड़कर चले गए हैं। महाराष्ट्र में ओमिक्रॉन के सबसे अधिक 1,216 मामले आए। इसके बाद राजस्थान में 529, दिल्ली में 513, कर्नाटक में 441, केरल में 333 और गुजरात में 236 मामले आए। देश में एक दिन में संक्रमण के कुल 1,79,723 नए मामले आए, जो 227 दिनों में सबसे अधिक हैं। पिछले साल 27 मई को 1,86,364 नए मामले आए थे। देश में सात अगस्त 2019 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2019 को 30 लाख और पांच सितंबर 2019 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2019 को 50 लाख, 28 सितंबर 2019 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2019 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2019 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में भाग लो ईनाम जीतो

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने पर ईनाम जीतो

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई